Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 173 | गुरुवार, 02 जुलाई-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की आधारशिला है शिक्षा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर से किया राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय इस्माइलपुर (कंपोजिट) से राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण (1 से 15 जुलाई) का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। शिक्षा व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की सुदृढ़ आधारशिला है। अच्छी शिक्षा ही सभ्य, संस्कारित नागरिक बनाती है और सही मार्ग दिखाती है। अच्छी शिक्षा से ही अच्छे समाजसेवी, शिक्षक, प्रधानाचार्य, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, उद्यमी, इंजीनियर, चिकित्सक, न्यायिक अधिकारी आदि निकलेंगे। देश के भविष्य को बनाने वाली भावी पीढ़ी जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़े, शिक्षा के कारण वह आत्मविश्वास से भरपूर होकर समाज व राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका

का प्रभावी निर्वहन कर सकेगी।

सीएम ने कहा कि 2017 में पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने स्कूल चलो अभियान प्रारंभ किया। सरकार की नीयत साफ थी तो परिणाम भी अच्छे आए। शिक्षा के उन्नयन के लिए सरकार की नीति स्पष्ट थी। सरकार बिना भेदभाव हर बच्चे तक योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ बढ़ी थी। 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद में केवल 36 फीसदी विद्यालय ही पूरी तरह संतृप्त माने जा रहे थे। उस समय टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर, लाइब्रेरी, लाइट, मिड डे मील आदि की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब ऑपरेशन कायाकल्प चलाकर मैंने जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों, अधिकारियों से अपील की कि बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में व्यापक रूप से सुविधाएं उपलब्ध कराकर संतृप्तिकरण के लक्ष्य को पूरा किया जाए और उसके पैरामीटर तय किए जाएं। सीएम ने स्कूल चलो अभियान को अच्छी शुरूआत बताया। सीएम ने समाज के हर वर्ग से भी अपील की कि स्कूल चलो अभियान को जनांदोलन का हिस्सा बनाएं और हर बच्चे को स्कूल पहुंचाएं। बेसिक शिक्षा परिषद के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों का दायित्व है कि जिन बच्चों का एडमिशन हुआ है, उन्हें समय पर यूनिफॉर्म का पैसा, बैग, बुक्स, जूता-मोजा समेत आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हों और पठन-पाठन का बेहतरीन माहौल हो। सीएम योगी ने सरकार द्वारा बच्चों के लिए प्रारंभ किए गए विशेष अभियान का भी जिक्र किया।

5 वर्ष में 96 फीसदी से अधिक विद्यालयों का संतृप्तिकरण

सीएम ने कहा कि हमने तय किया कि हर स्कूल में बालक/बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, पेयजल और मिड डे मील में प्रतिदिन का भोजन तय हो। स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, सरकार की ओर से हर बच्चे को यूनिफॉर्म, बैग, किताबें आदि देकर सभी सुविधाओं से आच्छादित किया जाए। विद्यार्थियों व शिक्षकों के अनुपात को ठीक किया जाए। इसके लिए अभियान प्रारंभ किया गया। इसका असर हुआ कि बेसिक शिक्षा विद्यालयों का 36 फीसदी का संतृप्तिकरण बढ़कर अगले पांच वर्ष में 96 फीसदी से अधिक हो गया। हर बच्चे को बैग, बुक, जूते-मोजे, स्वेटर, यूनिफॉर्म आदि मिलना प्रारंभ हुआ, परिणामस्वरूप नामांकन बढ़ा। 9 वर्ष में 60 लाख से अधिक बच्चे बेसिक शिक्षा परिषद में बढ़े और ड्राप आउट रेट 19-20 फीसदी से घटकर 3-4 फीसदी तक रह गया।

बच्चा स्कूल नहीं गया तो समाज व राष्ट्र की क्षति

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है कि कोई भी बच्चा स्कूल से जाने से वंचित न रहे। कोई भी बच्चा यदि शिक्षा से वंचित है तो यह केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज व राष्ट्र की भी क्षति है। इन्हीं बच्चों को समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में नेतृत्व देना है। यहां बैठे जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक आदि भी कभी छात्र थे। सभी ने पढ़ाई की तो इस स्तर तक पहुंचे। यदि बच्चा पढ़ा-लिखा नहीं है तो समाज व राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति करेगा और दिग्भ्रमित हो जाएगा। हमें ऐसी पीढ़ी खड़ी करनी है, जो राष्ट्र के कर्तव्यशील नागरिक के रूप में दायित्वों का निर्वहन कर सके।

हर तबके का दायित्व- कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे

सीएम ने विकसित भारत की संकल्पना को पूरा कर समृद्ध समाज बनाने वाले जागरूक नागरिकों से अपील भी की। उन्होंने कहा कि यह दायित्व केवल उन्हीं परिवारों का नहीं है, जिन परिवारों में बच्चे हैं। राजनेता, सांसद, विधायक, पार्षद, ब्लाक प्रमुख, प्रधान, जिला पंचायत अध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, अधिवक्ता, व्यापारी, चिकित्सक समेत हर तबके का दायित्व है कि आसपास अवलोकन करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहने पाए। हर बच्चे को स्कूल पहुंचाना है, क्योंकि यह हमारा सामाजिक दायित्व व राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। राष्ट्रीय कर्तव्य जब सामूहिकता के साथ निर्वहन होता है तो राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है।

विस्तृत खबर पृष्ट 3 पर....

तमिलनाडु: टीवीके विधायकों को तोड़ने की कोशिश में तीन गिरफ्तार

मंत्री ने कहा- 50 करोड़ तक का ऑफर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

उन्नाव। तमिलनाडु पुलिस ने तीन लोगों को सत्ताधारी दल टीवीके के विधायकों को तोड़कर सरकार गिराने के आरोप में गिरफ्तार किया। तमिलनाडु के खुफिया विभाग के अनुसार ये लोग सत्ताधारी दल टीवीके के 15 विधायकों को एक साथ इस्तीफा दिलवानी की साजिश रच रहे थे। तमिलनाडु पुलिस द्वारा बुधवार को दी गयी जानकारी के अनुसार जांच में डीएमके के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और उनके भाई वी. अशोक कुमार का नाम सामने आया है। दोनों पर ही सरकार गिराने की साजिश में शामिल होने का आरोप है।

टीवीके के एक विधायक की शिकायत पर खुफिया विभाग के अफसर ने जांच की और एक कंसल्टेंसी फर्म के कर्मचारी को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान अफसरों को पता चला कि इसके तार डीएमके के विधायक और पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी से जुड़े हुए हैं। इसके बाद दो और लोगों की गिरफ्तारी हुई और उनसे पूछताछ की गई।

टीवीके विधायक एन. इलायाराजा ने की शिकायत

इस मामले में उथंगराई से टीवीके विधायक एन. इलायाराजा ने चेन्नई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इलायाराजा ने आरोप लगाया कि आईपीडीएस नाम की कंसल्टेसी फर्म के एक व्यक्ति ने उन्हें तमिलनाडु विधानसभा स्पीकर जेसीडी प्रभाकर (टीवीके नेता) के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए 35 करोड़ रुपये देने की पेशकश की थी। विधायक ने आरोप लगाया था कि उन्हें धमकाया गया और कहा गया कि वे इस प्रस्ताव के बारे में किसी को न बताएं। सूत्रों ने बताया था कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक सेंथिल बालाजी और उनके भाई अशोक का करीबी है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर कार से टक्कर के बाद रेलिंग तोड़ नीचे गिरी स्लीपर बस, दो बच्चों समेत 5 की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक दिल दहला देने वाला भीषण सड़क हादसा सामने आया है। एक्सप्रेसवे पर एक प्राइवेट स्लीपर बस और अर्टिगा कार के बीच हुई जोरदार भिड़ंत के बाद बस अनियंत्रित होकर एक्सप्रेसवे की रेलिंग तोड़ते हुए सीधे नीचे जा गिरी। इस दर्दनाक हादसे में दो मासूम बच्चों समेत कम से कम पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह जानलेवा दुर्घटना सुबह करीब 4:30 बजे बांगरमऊ पुलिस स्टेशन क्षेत्र के देवखारी गांव के पास एक्सप्रेसवे के किलोमीटर मार्कर 230 पर हुई। तड़के हुए इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

बस हरियाणा से बिहार जा रही थी पुलिस के मुताबिक, स्लीपर बस हरियाणा से बिहार जा रही थी, तभी आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर विपरीत दिशा से आ रही एक अर्टिगा कार से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के कारण बस ड्राइवर का गाड़ी पर से नियंत्रण खो गया। बस एक्सप्रेसवे की रेलिंग तोड़कर नीचे सड़क पर जा गिरी, जबकि टक्कर में अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने कार में सवार मृतकों की पहचान धुनमुन (60), अंजू (40), दिव्या (6), अमृता (13) और ड्राइवर विनोद (45) के रूप में की है; इन सभी की मौके पर ही मौत हो गई। कार में सवार चार अन्य लोग और बस में यात्रा कर रहे चार यात्री घायल हो गए। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया और फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

हो सकता है बस ड्राइवर को झपकी आ गई हो

बांगरमऊ के सर्कल ऑफिसर हर्ष मोदी ने कहा कि शुरूआती जांच से पता चलता है कि बस ड्राइवर को शायद झपकी आ गई थी, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने कहा कि हादसे के सही कारण की जांच की जा रही है। हादसे की सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जिला मजिस्ट्रेट घनश्याम मीणा और पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और अधिकारियों को जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सीएम योगी ने दुख जताया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव जिले में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना का संज्ञान लिया और जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए सर्वोत्तम संभव चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने और जिला प्रशासन को मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की।

महायुति का बड़ा दांव, विपक्ष ने खींचे हाथ, सचिन अहीर बने महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सरकार की आम सहमति से चुनाव कराने की अपील के बाद विपक्ष द्वारा अपना उम्मीदवार वापस लेने पर, महायुति के उम्मीदवार सचिन अहीर बुधवार (1 जुलाई) को महाराष्ट्र विधान परिषद के उप-सभापति निर्विरोध चुने गए। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने शुरू में इस पद के लिए जगन्नाथ अभ्यंकर को नॉमिनेट किया था। हालांकि, सत्ताधारी गठबंधन ने विपक्ष से अपील की कि वे डिप्टी चेयरमैन को सर्वसम्मति से चुनने की सदन की परंपरा का पालन करें। सरकार के अनुरोध के बाद, विपक्ष ने अभ्यंकर का नॉमिनेशन वापस ले लिया, जिससे महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन के तौर पर अहीर के सर्वसम्मति से चुने जाने का रास्ता साफ हो गया।

सचिन अहीर शिंदे सेना में शामिल हुए

महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (UBT) के लिए एक और झटके के तौर पर, सचिन अहीर ने पाला बदल लिया और मंगलवार को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हो गए। शिंदे गुट में शामिल होने के तुरंत बाद, अहीर ने शिवसेना उम्मीदवार के तौर पर महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए अपना नॉमिनेशन दाखिल किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब शिवसेना (UBT) के छह लोकसभा सांसदों ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का दामन थाम लिया था। पार्टी में फूट के बाद से उद्धव ठाकरे खेमे के लिए यह सबसे बड़े राजनीतिक झटकों में से एक था। अहीर वर्ली से पूर्व विधायक हैं और कभी आदित्य ठाकरे के करीबी सहयोगी माने जाते थे। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत कांग्रेस से की थी, जिसके बाद वे नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) में शामिल हुए और बाद में अविभाजित शिवसेना में चले गए। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में 2022 में हुए विद्रोह के बाद, अहीर शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल हो गए। उसी साल, वे महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए चुने गए और अब उन्हें इसका डिप्टी चेयरमैन चुना गया है।

पाला बदलने के बाद आज सुबह उनके घर के बाहर पुलिस तैनात की गई और कई समर्थक उनसे मिलने आए। एक अधिकारी ने बताया कि वर्ली की गुलरुख बिल्डिंग में अहीर के घर के बाहर एक पुलिस वैन और दो कॉन्स्टेबल तैनात किए गए हैं।

सचिन अहीर के पार्टी में शामिल होने पर शिंदे का बयान

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को उद्धव गुट पर निशाना साधा। यह तब हुआ जब सीनियर टछठ सचिन अहीर उनकी शिवसेना में शामिल हुए और महायुति गठबंधन की तरफ से महाराष्ट्र विधान परिषद के डिप्टी चेयरमैन पद के लिए नॉमिनेशन फाइल किया। अहीर का पार्टी में स्वागत करते हुए शिंदे ने उनके इस राजनीतिक कदम की तुलना क्रिकेट के मैदान पर खेले गए 'मास्टरस्ट्रोक' से की। शिंदे ने कहा आज सचिन अहीर ने बिल्कुल सचिन तेंदुलकर जैसा शॉट खेला है। वह एक अहम नेता हैं। आज उन्होंने डिप्टी चेयरमैन और महायुति, दोनों के लिए नॉमिनेशन फॉर्म भरे हैं। दिन का सबसे कड़ा राजनीतिक संदेश देते हुए शिंदे ने उन आरोपों को खारिज किया कि उनकी पार्टी दल-बदल के सहारे टिकी है; इसके बजाय उन्होंने शिवसेना को एक बढ़ती हुई राजनीतिक ताकत के तौर पर पेश किया।

वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम घटे

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में गिरावट के बाद सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए बुधवार से रसोई गैस (एलीपीजी) सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज से 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 2,930 रुपये का हो गया है। जून में इसकी कीमत 3,113.50 रुपये थी। इस प्रकार यहां इसकी कीमत 183.50 रुपये घटायी गयी है। देश के अलग-अलग शहरों में वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत और कटौती अलग-अलग है। यह कंपनियों की लागत और अन्य स्थानीय कारकों के हिसाब से तय होती है। वहीं, घरेलू इस्तेमाल वाले 14 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत अपरिवर्तित है। दिल्ली में यह 942 रुपये का मिल रहा है। इससे पहले, एक जून को वाणिज्यिक रसोई गैस की कीमत बढ़ायी गयी थी। दिल्ली में इसकी कीमत 42 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी थी। देश की राजधानी में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम सात जून को 29 रुपये बढ़े थे।

दिल्ली में लागू हुई नई ईवी नीति, प्रदूषण मुक्त परिवहन का लक्ष्य

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी में स्वच्छ, आधुनिक और प्रदूषण मुक्त परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति 2026 अधिसूचित कर दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार, नयी नीति का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से बढ़ावा देकर वायु प्रदूषण में कमी लाना, पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता घटाना तथा मजबूत ईवी ईको-सिस्टम विकसित करना है। यह नीति एक जुलाई 2026 से लागू हो गयी है और 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी।

श्रीमती गुप्ता ने बताया कि नीति के तहत चार्जिंग नेटवर्क, बैटरी स्वैपिंग, बैटरी रीसाइक्लिंग, ऊर्जा प्रबंधन और डिजिटल सेवा प्रणाली को एकीकृत करते हुए दीर्घकालिक स्वच्छ परिवहन व्यवस्था विकसित की जायेगी। इसके साथ ही वित्तीय प्रोत्साहन, डिजिटल पारदर्शिता और संस्थागत निगरानी को भी विशेष महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि नीति में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि दिल्ली में विशेषकर सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण में लगभग 23 प्रतिशत योगदान वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का है, जो सभी स्त्रोतों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी के कुल वाहनों में लगभग 67 प्रतिशत दोपहिया वाहन हैं। इसी कारण दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक कारों और एन-1 श्रेणी के मालवाहक वाहनों के तीव्र विद्युतीकरण पर विशेष जोर दिया गया है। श्रीमती गुप्ता ने बताया कि नीति की निगरानी के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्चाधिकार समिति गठित की जाएगी, जिसमें परिवहन, ऊर्जा, पर्यावरण, वित्त, योजना विभाग, डीटीएल और डिस्कॉम सहित विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन शीर्ष समिति भी गठित होगी, जो नीति के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के साथ भविष्य में हाइड्रोजन और अन्य स्वच्छ ईंधन आधारित तकनीकों को लेकर सरकार को सुझाव देगी। नयी ईवी नीति में बैटरी रीसाइक्लिंग और पर्यावरण संरक्षण को भी प्रमुख स्थान दिया गया है। पर्यावरण विभाग बैटरी अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के पालन की निगरानी करेगा, जबकि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से बैटरी संग्रह केंद्र विकसित करेगी। शिक्षा विभाग स्कूल बसों के चरणबद्ध विद्युतीकरण की निगरानी करेगा और विद्यार्थियों में स्वच्छ परिवहन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलायेगा।

संपादक की कलम से

जहाँ नाक बंद होती है, वहीं स्वच्छ भारत के दावे खुल जाते हैं

स्वच्छता किसी राष्ट्र का श्रृंगार नहीं, उसका चरित्र है। किसी देश की असली पहचान संसद, मेट्रो या एक्सप्रेस-वे नहीं, बल्कि वह सार्वजनिक शौचालय है जहाँ सामान्य नागरिक बिना भय, घृणा या नाक सिकोड़े प्रवेश कर सके। पिछले एक दशक में स्वच्छ भारत मिशन जनांदोलन और विकास का प्रतीक बना, लेकिन बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बाजारों, पार्कों और राजमार्गों के अधिकांश सरकारी शौचालय इस दावे की सबसे कड़वी सच्चाई हैं। वहाँ प्रवेश करते ही पहले नाक, फिर आँखें बंद करनी पड़ती हैं। यह केवल दुर्गंध नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की विफलता है जिसने शौचालय बनाना उपलब्धि माना, पर उन्हें स्वच्छ रखना जिम्मेदारी नहीं समझा। स्वच्छ भारत अभियान की असली परीक्षा सार्वजनिक शौचालयों में होती है, और सबसे बड़ी विफलता भी वहीं दिखाई देती है।

ललित शर्मा
संपादक

यह कहना अन्याय होगा कि स्वच्छ भारत मिशन ने कुछ नहीं किया। इसकी उपलब्धियाँ उल्लेखनीय हैं। 2014 में ग्रामीण भारत में शौचालय कवरेज लगभग 39 प्रतिशत था, जो अब सरकारी आंकड़ों के अनुसार 95 प्रतिशत से अधिक हो गया है। 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालय बने, 6 लाख से अधिक गाँव और हजारों शहर ओडीएफ घोषित हुए। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, बेहतर स्वच्छता से डायरिया से होने वाली मौतें घटीं और लाखों परिवारों का स्वास्थ्य व्यय कम हुआ। यह निश्चित ही बड़ी उपलब्धि है। लेकिन क्या स्वच्छता घर की चौखट पर ही समाप्त हो जाती है? क्या घर से बाहर निकलते ही नागरिक की गरिमा अप्रासंगिक हो जाती है? घरों में शौचालय बनाकर आधी लड़ाई जीती गई, मगर सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली ने इस सफलता पर प्रश्नचिह्न लगा दिया। यही वह विरोधाभास है जो स्वच्छ भारत मिशन की चमक फीकी कर देता है। जनाग्रह और अन्य संस्थाओं के सर्वे बताते हैं कि बड़े शहरों के अधिकांश सार्वजनिक शौचालय भी पानी, नियमित सफाई, पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। कई महीनों से बंद पड़े हैं, कई जर्जर हो चुके हैं और अनेक ठेकेदारों की लापरवाही व प्रशासनिक उदासीनता के कारण उपयोग योग्य नहीं बचे। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और राष्ट्रीय राजमार्गों के शौचालय यात्रियों की मजबूरी हैं, सुविधा नहीं। यह संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उस सरकारी सोच का परिणाम है जो शौचालय के उद्घाटन को उपलब्धि मानती है, रखरखाव को नहीं। शौचालय बनते हैं, फीते कटते हैं, तस्वीरें खिंचती हैं, रिपोर्टें बनती हैं और फिर वे धीरे-धीरे गंदगी के हवाले कर दिए जाते हैं। सार्वजनिक शौचालयों की बदहाली की सबसे बड़ी कीमत महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग चुकाते हैं। महिलाएँ प्यास से नहीं, उपयोग योग्य शौचालयों के अभाव में घंटों पानी पीने से बचती हैं। लंबी यात्राएँ उनके लिए सुविधा नहीं, चिंता बन जाती हैं। गंदे शौचालय डायरिया, टाइफाइड, हेपेटाइटिस-ए सहित अनेक संक्रामक रोगों के केंद्र हैं। विद्यालयों में शौचालयों की कमी और बदहाली के कारण कई लाख लड़कियाँ पढ़ाई बीच में छोड़ देती हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग 98,500 सरकारी स्कूलों में लड़कियों के लिए कार्यरत शौचालय नहीं हैं। यह केवल शिक्षा नहीं, महिला सम्मान और सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। अधिकांश सार्वजनिक शौचालय आज भी दिव्यांगों के लिए अनुपयोगी हैं। यदि स्वच्छता ही गरिमा है, तो उनकी यह स्थिति हर दिन करोड़ों भारतीयों की गरिमा को ठेस पहुँचा रही है।

खाकी, काला, सफेद कोट

किशन भावनानी

कविता

खाकी वर्दी कानून की रखवाली का मान,
काला कोट देता न्याय का सम्मान।
सफेद कोट जीवन का करता है उपचार,
इनसे उलझो मत, यही है बुजुर्गों का विचार।

खाकी से टकराओगे तो नियम याद आएँगे,
काले कोट में सच-झूठ के फैसले हो जाएँगे।
सफेद कोट से मिलोगे तो जीवन मुस्काएगा,
सम्मान करोगे तो हर रिश्ता निभ जाएगा।

खाकी का धर्म है सुरक्षा का अभियान,
काले कोट का उद्देश्य न्याय का सम्मान।
सफेद कोट मानवता की सबसे बड़ी पहचान,
तीनों का आदर करना है हर नागरिक का मान।

दुश्मनी करोगे तो मुश्किलें बढ़ जाएँगी,
दोस्ती में भी मर्यादा ही राह दिखाएगी।
कर्तव्य निभाने वालों का सम्मान ही करो,
सच्चाई और सद्भाव का जीवन में वरण करो।

खाकी, काला, सफेद-तीनों सेवा के प्रतीक,
समाज को देते रहते हैं सुरक्षा, न्याय और सीख।
बड़ों की सीख हमेशा जीवन में अपनानी,
ना दोस्ती अच्छी, ना दुश्मनी-बस सम्मान की है कहानी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मीडिया ट्रायल बनाम न्याय: अदालत से पहले फैसला कौन सुनाता है?

एन0के0शर्मा
लेखक

लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायालय वह स्थान है जहाँ व्यक्ति का अपराध नहीं, बल्कि उसके विरुद्ध उपलब्ध साक्ष्यों की वैधानिक परीक्षा होती है। न्याय का मूल सिद्धांत यह है कि प्रत्येक व्यक्ति तब तक निर्दोष माना जाएगा, जब तक विधि सम्मत प्रक्रिया द्वारा उसका अपराध सिद्ध न हो जाए। किंतु आधुनिक सूचना-युग में यह सिद्धांत बार-बार ऐसी चुनौती के सामने खड़ा दिखाई देता है, जहाँ अदालत के निर्णय से पहले ही मीडिया, सोशल मीडिया, डिजिटल मंच और सार्वजनिक विमर्श किसी व्यक्ति को अपराधी, देशद्रोही, भ्रष्ट, हत्यारा अथवा दोषमुक्त घोषित करने लगते हैं। यही वह स्थिति है जिसे सामान्यतः 'मीडिया ट्रायल' कहा जाता है।

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। उसका दायित्व सत्ता से प्रश्न करना, तथ्य सामने लाना और समाज को सूचित करना है। किंतु जब वही माध्यम स्वयं अभियोजक, गवाह, न्यायाधीश और दंडाधिकारी की भूमिका निभाने लगे, तब लोकतंत्र का संतुलन डगमगाने लगता है। पत्रकारिता का उद्देश्य सत्य की खोज है, न कि पूर्वनिर्धारित निष्कर्षों को स्थापित करना। किंतु जब टीआरपी, राजनीतिक ध्रुवीकरण, वैचारिक आग्रह और डिजिटल प्रतिस्पर्धा समाचारों पर हावी हो जाते हैं, तब तथ्य पीछे छूट जाते हैं और आरोप सुर्खियाँ बन जाते हैं।

इतिहास गवाह है कि अनेक समाजों में भीड़ का निर्णय न्यायालय के निर्णय से अधिक प्रभावशाली सिद्ध हुआ, और बाद में वही समाज अपनी भूल पर पछताता रहा। न्यायिक इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं जहाँ प्रारंभिक जनमत और अंतिम न्यायिक निर्णय एक-दूसरे के विपरीत निकले। यही कारण है कि सभ्य विधि-व्यवस्था ने भीड़ की भावना को नहीं, बल्कि साक्ष्य, प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई को न्याय का आधार बनाया।

आज मीडिया ट्रायल का सबसे बड़ा संकट यह है कि वह न्यायिक प्रक्रिया की गति से नहीं, बल्कि समाचार चक्र की गति से चलता है। चौबीस घंटे चलने वाले समाचार चैनलों और सोशल मीडिया के दौर में किसी भी घटना के कुछ ही घंटों के भीतर 'विशेषज्ञ पैनल', 'विश्लेषण', 'खुलासे', 'एक्सक्लूसिव रिपोर्ट' और 'जनता का फैसला' प्रस्तुत कर दिया जाता है। आरोपपत्र दाखिल होने से पहले बहस पूरी हो जाती है, साक्ष्य न्यायालय में आने से पहले उनकी सार्वजनिक व्याख्या हो जाती है और न्यायाधीश के निर्णय से पहले समाज अपना निर्णय सुना देता है।

इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव अभियुक्त पर ही नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था पर भी पड़ता है। यदि किसी व्यक्ति को महीनों तक सार्वजनिक रूप से अपराधी घोषित किया जाता रहे और बाद में न्यायालय उसे दोषमुक्त कर दे, तब भी समाज का एक बड़ा वर्ग उस निर्णय को स्वीकार नहीं कर पाता। इस प्रकार न्यायालय का विधिक निर्णय जनभावना के शोर में दबने लगता है।

मीडिया ट्रायल का एक दूसरा खतरनाक पहलू यह है कि वह चयनात्मक भी हो सकता है। कुछ मामलों को दिनों-रात चलाया जाता है, जबकि अनेक समान रूप से गंभीर मामले सार्वजनिक विमर्श से लगभग गायब रहते हैं। यह चयन कभी राजनीतिक, कभी आर्थिक, कभी वैचारिक और कभी व्यावसायिक कारणों से प्रभावित दिखाई देता है। परिणामस्वरूप समाज यह मानने लगता है कि न्याय का मूल्य तथ्य नहीं, बल्कि समाचार की बाजार-क्षमता से तय होता है।

लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता अनिवार्य है, किंतु स्वतंत्रता और उत्तरदायित्व एक-दूसरे के पूरक हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी व्यक्ति के निष्पक्ष मुकदमे के अधिकार का स्थानापन्न नहीं बन सकती। यदि मीडिया ऐसी सामग्री प्रसारित करे जो संभावित गवाहों को प्रभावित करे, न्यायिक प्रक्रिया को पूर्वाग्रहपूर्ण बनाए या किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बिना न्यायिक निष्कर्ष के अपूरणीय क्षति पहुँचाए, तो यह केवल पत्रकारिता का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि संवैधानिक संतुलन का प्रश्न बन जाता है।

सोशल मीडिया ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। अब केवल संस्थागत मीडिया ही नहीं, बल्कि लाखों व्यक्तिगत खाते भी बिना सत्यापन के सूचनाएँ, आरोप, संपादित वीडियो और भ्रामक सामग्री प्रसारित कर सकते हैं। कुछ ही मिनटों में किसी व्यक्ति की छवि वैश्विक स्तर पर प्रभावित हो सकती है। बाद में यदि तथ्य भिन्न सिद्ध हों, तो उनका प्रभाव प्रारंभिक आरोपों जितना व्यापक नहीं होता। झूठ की गति सत्य से कहीं अधिक तेज हो जाती है।

न्यायिक संस्थाओं के सामने भी यह चुनौती नई नहीं है। विभिन्न देशों के न्यायालयों ने समय-समय पर यह टिप्पणी की है कि मीडिया को न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप से बचना चाहिए और लंबित मामलों पर ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए जिससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित हो। यह दृष्टिकोण प्रेस की स्वतंत्रता का विरोध नहीं, बल्कि न्याय की निष्पक्षता की रक्षा का प्रयास है।

यह भी स्वीकार करना होगा कि अनेक अवसरों पर खोजी पत्रकारिता ने ऐसे मामलों को उजागर किया है जिन्हें अन्यथा दबा दिया जाता। अनेक घोटाले, मानवाधिकार उल्लंघन और प्रशासनिक अनियमितताएँ मीडिया के कारण ही सार्वजनिक हुईं। इसलिए समाधान मीडिया को मौन करना नहीं, बल्कि तथ्यपरक, उत्तरदायी और नैतिक पत्रकारिता को प्रोत्साहित करना है। खोजी पत्रकारिता और मीडिया ट्रायल दो भिन्न अवधारणाएँ हैं। पहली सत्य की खोज करती है; दूसरी कई बार सत्य की घोषणा पहले ही कर देती है।

न्याय व्यवस्था की अपनी सीमाएँ भी हैं-मुकदमों में विलंब, लंबित मामलों का बोझ, संसाधनों की कमी और प्रक्रिया की जटिलता। जब न्याय में अत्यधिक विलंब होता है, तब जनाक्रोश वैकल्पिक मंच खोजता है और मीडिया उस रिक्त स्थान को भरने लगता है। इसलिए न्यायपालिका की दक्षता और समयबद्धता भी इस समस्या के समाधान का महत्वपूर्ण पक्ष है।

कानून का शासन तभी सार्थक है जब अदालत का निर्णय अंतिम नैतिक और विधिक आधार बना रहे। यदि समाज का विश्वास न्यायालयों से हटकर टीवी स्टूडियो, डिजिटल अभियानों या वायरल संदेशों पर टिकने लगे, तो न्याय की अवधारणा स्वयं संकट में पड़ जाएगी। न्याय का उद्देश्य लोकप्रिय होना नहीं, बल्कि निष्पक्ष होना है। अनेक बार निष्पक्ष निर्णय लोकप्रिय जनमत के विपरीत भी हो सकता है, और यही विधि-राज की सबसे बड़ी परीक्षा है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता तथ्य और टिप्पणी के बीच स्पष्ट रेखा बनाए; समाचार और अभियोजन को एक-दूसरे का विकल्प न बनने दे; न्यायिक प्रक्रियाओं की रिपोर्टिंग में संवैधानिक मयार्दा का पालन करे; और नागरिक भी किसी व्यक्ति के संबंध में अंतिम निष्कर्ष केवल न्यायालय के निर्णय के बाद ही स्वीकार करें। लोकतंत्र में मीडिया प्रहरी हो सकता है, न्यायालय नहीं। उसकी शक्ति प्रश्न पूछने में है, अंतिम फैसला सुनाने में नहीं।

जब अदालत से पहले फैसले सुनाए जाने लगते हैं, तब सबसे पहले सत्य घायल होता है, उसके बाद प्रतिष्ठा, फिर न्याय और अंततः लोकतंत्र। किसी भी सभ्य राष्ट्र की पहचान इस बात से नहीं होती कि उसकी बहसें कितनी तीखी हैं, बल्कि इस बात से होती है कि उसके निर्णय कितने न्यायसंगत हैं। यदि न्यायालय से पहले मीडिया का निर्णय अंतिम सत्य बन जाए, तो विधि का शासन धीरे-धीरे जनोन्माद के शासन में परिवर्तित होने लगता है।

इसलिए लोकतंत्र की रक्षा का अर्थ केवल स्वतंत्र मीडिया की रक्षा नहीं, बल्कि स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया की रक्षा भी है। दोनों के बीच संतुलन ही उस सभ्यता का वास्तविक प्रमाण है, जो न्याय को शोर से ऊपर और साक्ष्य को सनसनी से अधिक महत्व देती है।

आस्था की चौखट पर असुरक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ
लेखिका

भारत की सांस्कृतिक पहचान केवल उसके इतिहास, भाषाओं और परंपराओं से नहीं बनती, बल्कि उन आस्था-स्थलों से भी निर्मित होती है जिन्होंने सदियों से समाज को नैतिकता, सहअस्तित्व और सामुदायिक एकता का संदेश दिया है। मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थान नहीं हैं; वे विश्वास, संस्कृति, लोकजीवन और सामाजिक सहभागिता के जीवंत केंद्र हैं। यहां लोग केवल ईश्वर के दर्शन करने नहीं आते, बल्कि अपने सुख-दुख साझा करने, मन की शांति पाने और जीवन के संघर्षों में आशा का संबल प्राप्त करने आते हैं। यही कारण है कि जब किसी मंदिर में चोरी होती है, तो उसका प्रभाव केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं रहता। यह करोड़ों लोगों की आस्था, सामाजिक विश्वास और सांस्कृतिक चेतना पर सीधा आघात होता है।

बीते कुछ वर्षों में देश के विभिन्न हिस्सों से मंदिरों में दानपेटियां तोड़ने, नकदी चुराने, बहुमूल्य आभूषण गायब करने, प्राचीन मूर्तियों की तस्करी करने और धार्मिक सामग्री की चोरी जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कई मामलों में अपराधियों ने आधुनिक तकनीक का उपयोग किया, जबकि कई घटनाओं में अंदरूनी मिलीभगत की आशंका भी सामने आई।

यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि इस बात का संकेत भी है कि समाज के नैतिक मूल्यों और धार्मिक संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था में कहीं न कहीं गंभीर कमी रह गई है। जिस स्थान को लोग सबसे सुरक्षित और पवित्र मानते हैं, यदि वही अपराधियों के लिए आसान लक्ष्य बनने लगे, तो यह पूरे समाज के लिए चिंता का विषय है।

मंदिरों में चोरी को सामान्य संपत्ति-अपराध की श्रेणी में रखकर उसकी गंभीरता को कम नहीं आंका जा सकता। किसी दुकान, मकान या कार्यालय में चोरी आर्थिक क्षति पहुंचाती है, लेकिन मंदिर में चोरी विश्वास की जड़ों को भी कमजोर करती है। श्रद्धालु अपनी कमाई का एक हिस्सा ईश्वर के प्रति कृतज्ञता, सेवा और समाजहित की भावना से दान करते हैं। वे यह विश्वास रखते हैं कि उनका अर्पण धर्मार्थ कार्यों, सामाजिक सेवा और मंदिर व्यवस्था में उपयोग होगा। जब वही धन चोरी हो जाता है, तो केवल दानपेटी खाली नहीं होती, बल्कि श्रद्धालु के मन में भी संदेह और पीड़ा जन्म लेती है। यही कारण है कि मंदिरों में चोरी की घटनाएं समाज में सामान्य अपराधों की तुलना में कहीं अधिक भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करती हैं।

ऐसी घटनाओं के पीछे कई कारण हैं। सबसे बड़ा कारण नकद दान की परंपरा है। आज भी देश के अधिकांश मंदिरों में बड़ी मात्रा में नकद चढ़ावा आता है। अनेक छोटे और मध्यम मंदिरों में दान की गणना, सुरक्षित भंडारण और बैंक में जमा करने की वैज्ञानिक व्यवस्था नहीं होती। कई बार दानपेटियां लंबे समय तक नहीं खोली जातीं, जिससे उनमें बड़ी मात्रा में नकदी जमा हो जाती है। यह स्थिति अपराधियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन जाती है। जहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो और बड़ी मात्रा में नकद धन उपलब्ध हो, वहां अपराध की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण सुरक्षा व्यवस्था की अपर्याप्तता है। महानगरों के कुछ प्रसिद्ध मंदिरों को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश धार्मिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे, आधुनिक अलार्म सिस्टम, रात्रि सुरक्षा, प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मी और डिजिटल निगरानी जैसी व्यवस्थाएं या तो उपलब्ध नहीं हैं या केवल औपचारिक रूप से स्थापित हैं। कई कैमरे खराब पड़े रहते हैं, रिकॉर्डिंग का बैकअप सुरक्षित नहीं होता और नियमित निगरानी भी नहीं की जाती। अपराधी इन कमियों का अध्ययन कर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम देते हैं।

प्रबंधन संबंधी कमजोरियां भी ऐसी घटनाओं को बढ़ावा देती हैं। अनेक मंदिरों का संचालन पारंपरिक ढंग से होता है, जहां वित्तीय जवाबदेही और प्रशासनिक पारदर्शिता के स्पष्ट मानक नहीं बने हैं।

दान की गणना, लेखा-जोखा, व्यय और भंडारण की प्रक्रिया कई बार व्यवस्थित नहीं होती। जहां जवाबदेही कमजोर होती है, वहां गड़बड़ी और भ्रष्टाचार की संभावना बढ़ जाती है। कुछ मामलों में चोरी बाहरी अपराधियों द्वारा नहीं, बल्कि अंदरूनी मिलीभगत से भी की जाती है। यह स्थिति अधिक चिंताजनक इसलिए है क्योंकि इससे संस्था के भीतर का विश्वास भी टूटता है।

सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियां भी इस समस्या से जुड़ी हुई हैं। बेरोजगारी, नशे की लत, कर्ज का बोझ, त्वरित धन कमाने की मानसिकता और नैतिक मूल्यों का ह्रास कुछ लोगों को अपराध की ओर धकेलता है।

हालांकि इन कारणों के आधार पर किसी भी अपराध का औचित्य सिद्ध नहीं किया जा सकता। मंदिरों में चोरी केवल आर्थिक मजबूरी का परिणाम नहीं होती; अनेक मामलों में यह संगठित अपराध, मूर्ति तस्करी और पेशेवर गिरोहों की सुनियोजित गतिविधि होती है।

विशेष रूप से प्राचीन मूर्तियों और दुर्लभ धार्मिक कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अवैध मांग भी ऐसे अपराधों को बढ़ावा देती है। मंदिर में चोरी का सबसे गहरा प्रभाव श्रद्धालुओं की भावनाओं पर पड़ता है। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार की खुशहाली, बच्चों के भविष्य, स्वास्थ्य या किसी मनोकामना की पूर्ति के लिए श्रद्धापूर्वक दान करता है, तो वह केवल धन नहीं देता, बल्कि अपना विश्वास भी समर्पित करता है।

यदि वही विश्वास असुरक्षित महसूस करने लगे तो समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति संदेह बढ़ने लगता है। कई लोग दान देने से हिचकने लगते हैं, मंदिर समितियों पर प्रश्न उठने लगते हैं और स्थानीय स्तर पर आरोप-प्रत्यारोप का वातावरण बन जाता है। इस प्रकार एक चोरी केवल धन का नुकसान नहीं करती, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सामुदायिक एकता को भी प्रभावित करती है।

धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को केवल धार्मिक विषय मानना भी पर्याप्त नहीं है। यह सार्वजनिक नीति, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रश्न है। जिस प्रकार बैंक, संग्रहालय, विद्यालय और सार्वजनिक संस्थानों के लिए सुरक्षा के मानक निर्धारित होते हैं, उसी प्रकार मंदिरों के लिए भी न्यूनतम सुरक्षा मानक तय किए जाने चाहिए। प्रत्येक मंदिर की आय, आकार और संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था विकसित की जा सकती है। बड़े मंदिरों में अत्याधुनिक निगरानी व्यवस्था, नियंत्रित प्रवेश, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और डिजिटल प्रबंधन आवश्यक है, जबकि छोटे मंदिरों में स्थानीय पुलिस, ग्राम समितियों और नागरिकों के सहयोग से प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित किया जा सकता है।

आज के डिजिटल युग में तकनीक इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे, क्लाउड आधारित रिकॉर्डिंग, गति-संवेदी अलार्म, बायोमेट्रिक प्रवेश प्रणाली, स्मार्ट लॉक और आपातकालीन सूचना प्रणाली मंदिरों की सुरक्षा को मजबूत बना सकती हैं।

दानपेटियों को निर्धारित समय पर ही खोला जाए और यह प्रक्रिया कम-से-कम दो या तीन जिम्मेदार व्यक्तियों की उपस्थिति में पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न हो। नकद गिनती की वीडियो रिकॉर्डिंग, हस्ताक्षरित रजिस्टर और बैंक में तत्काल जमा की व्यवस्था से अनियमितताओं की संभावना काफी कम हो सकती है।

डिजिटल दान प्रणाली भी समय की आवश्यकता बन चुकी है। यूपीआई, क्यूआर कोड, नेट बैंकिंग और ऑनलाइन भुगतान जैसी व्यवस्थाएं नकदी पर निर्भरता कम कर सकती हैं।

इससे चोरी का जोखिम घटेगा और दान की पारदर्शिता भी बढ़ेगी। श्रद्धालुओं को डिजिटल रसीद उपलब्ध कराई जा सकती है तथा मंदिरों की आय और व्यय का वार्षिक विवरण सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जा सकता है। पारदर्शिता बढ़ने से श्रद्धालुओं का विश्वास भी मजबूत होगा और प्रबंधन की विश्वसनीयता भी बढ़ेगी।

सुरक्षा व्यवस्था केवल उपकरणों से मजबूत नहीं होती; उसके लिए उत्तरदायी प्रबंधन भी आवश्यक है। मंदिर समितियों को नियमित आंतरिक और बाहरी ऑडिट कराना चाहिए। आय-व्यय का स्वतंत्र परीक्षण, संपत्तियों का डिजिटलीकरण, बहुमूल्य आभूषणों का सुरक्षित भंडारण और समय-समय पर भौतिक सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। जहां जवाबदेही स्पष्ट होगी, वहां भ्रष्टाचार और चोरी की संभावनाएं स्वतः कम होंगी।

समाज की भूमिका भी इस विषय में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी धार्मिक स्थल की सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। स्थानीय समुदाय, श्रद्धालु, स्वयंसेवी संगठन और मंदिर समितियां यदि सामूहिक जिम्मेदारी का भाव विकसित करें तो अपराधियों के लिए अवसर कम हो जाएंगे। पड़ोस की सतर्कता, संदिग्ध गतिविधियों की समय पर सूचना और सामुदायिक निगरानी कई अपराधों को घटित होने से पहले ही रोक सकती है।

मंदिर केवल पुजारियों या ट्रस्ट की संपत्ति नहीं हैं; वे पूरे समाज की सांस्कृतिक धरोहर हैं। नैतिक शिक्षा का भी इस संदर्भ में विशेष महत्व है। यदि बचपन से ही बच्चों और युवाओं में ईमानदारी, सार्वजनिक संपत्ति के सम्मान और धार्मिक स्थलों की गरिमा के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जाए तो अपराध की मानसिकता को जड़ से कमजोर किया जा सकता है। विद्यालयों, परिवारों और सामाजिक संस्थाओं को यह संदेश देना होगा कि मंदिरों की सुरक्षा केवल ताले और कैमरों से नहीं, बल्कि चरित्र और संस्कारों से भी होती है। कानून भय पैदा कर सकता है, लेकिन नैतिकता अपराध की इच्छा को समाप्त करती है। कानून व्यवस्था को भी ऐसे मामलों में अधिक प्रभावी बनाना होगा।

यदि मंदिरों में चोरी संगठित अपराध, मूर्ति तस्करी या धार्मिक भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से की गई हो तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई आवश्यक है। जांच में देरी, लंबी न्यायिक प्रक्रिया और कमजोर अभियोजन अपराधियों का मनोबल बढ़ाते हैं।

त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्य, प्रभावी अभियोजन और समयबद्ध न्याय से ही यह संदेश जाएगा कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सजा का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि भविष्य के अपराधों को रोकना भी होना चाहिए। इसके साथ ही यह भी आवश्यक है कि समाज इस विषय को राजनीतिक या सांप्रदायिक दृष्टि से देखने की बजाय एक साझा नागरिक उत्तरदायित्व के रूप में स्वीकार करे।

किसी भी धर्मस्थल पर अपराध, उस धर्म विशेष का नहीं बल्कि पूरे समाज के नैतिक ताने-बाने का प्रश्न है। आस्था के केंद्र सुरक्षित रहेंगे तभी सामाजिक विश्वास भी सुरक्षित रहेगा। धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और सुरक्षा लोकतांत्रिक समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि मंदिरों को केवल पूजा-अर्चना के स्थान के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे सार्वजनिक संस्थानों के रूप में देखा जाए जहां श्रद्धा के साथ-साथ उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और आधुनिक प्रबंधन भी समान रूप से महत्वपूर्ण हों। परंपरा और तकनीक का संतुलित समन्वय ही भविष्य की दिशा है। यदि आस्था की रक्षा करनी है तो सुरक्षा को भी उतनी ही गंभीरता से अपनाना होगा जितनी श्रद्धा को दी जाती है।

मंदिरों में चोरी केवल ताले टूटने की घटना नहीं होती; वह समाज के विश्वास में दरार पड़ने का संकेत होती है। इस दरार को भरने के लिए केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं, बल्कि संवेदनशील प्रशासन, आधुनिक सुरक्षा, पारदर्शी प्रबंधन, सक्रिय समाज और मजबूत नैतिक संस्कृति-इन सभी का संयुक्त प्रयास आवश्यक है।

जब श्रद्धा के साथ सुरक्षा, विश्वास के साथ जवाबदेही और परंपरा के साथ आधुनिक व्यवस्था जुड़ेगी, तभी मंदिर वास्तव में समाज की आत्मा और विश्वास के सबसे सुरक्षित केंद्र बने रह सकेंगे। अन्यथा हर नई चोरी केवल धन की नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक आस्था और सामाजिक विश्वास की चोरी बनती रहेगी।

व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की आधारशिला है शिक्षाः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सहारनपुर से किया राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय इस्माइलपुर (कंपोजिट) से राज्यव्यापी स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण (1 से 15 जुलाई) का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। शिक्षा व्यक्ति, समाज व राष्ट्र की सुदृढ़ आधारशिला है। अच्छी शिक्षा ही सभ्य, संस्कारित नागरिक बनाती है और सही मार्ग दिखाती है। अच्छी शिक्षा से ही अच्छे समाजसेवी, शिक्षक, प्रधानाचार्य, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, उद्यमी, इंजीनियर, चिकित्सक, न्यायिक अधिकारी आदि निकलेंगे। देश के भविष्य को बनाने वाली भावी पीढ़ी जिस भी क्षेत्र में आगे बढ़े, शिक्षा के कारण वह आत्मविश्वास से भरपूर होकर समाज व राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका का प्रभावी निर्वहन कर सकेगी।

हर तबके का दायित्व- कोई भी बच्चा स्कूल जाने से न छूटे

सीएम ने विकसित भारत की संकल्पना को पूरा कर समृद्ध समाज बनाने वाले जागरूक नागरिकों से अपील भी की। उन्होंने कहा कि यह दायित्व केवल उन्हीं परिवारों का नहीं है, जिन परिवारों में बच्चे हैं। राजनेता, सांसद, विधायक, पार्षद, ब्लाक प्रमुख, प्रधान, जिला पंचायत अध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक, अधिवक्ता, व्यापारी, चिकित्सक समेत हर तबके का दायित्व है कि आसपास अवलोकन करें कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित न रहने पाए। हर बच्चे को स्कूल पहुंचाना है, क्योंकि यह हमारा सामाजिक दायित्व व राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। राष्ट्रीय कर्तव्य जब सामूहिकता के साथ निर्वहन होता है तो राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है।

हर विद्यालय में सुविधाएं उपलब्ध करा रही सरकार

सीएम योगी ने सरकार द्वारा बच्चों के लिए प्रारंभ किए गए विशेष अभियान का भी जिक्र किया। कहा कि सरकार हर विद्यालय में स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, शिक्षकों को टैबलेट आदि तमाम सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। बेसिक शिक्षा परिषद में डेढ़ लाख से अधिक दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण भी दिए गए। गत वर्ष 13 हजार से अधिक गंभीर व बहुदिव्यांग बच्चों को छह हजार रुपये प्रतिवर्ष एस्कॉर्ट अलाउंस, 23 हजार से अधिक दिव्यांग बालिकाओं को प्रतिवर्ष दो हजार रुपये स्टाइपेंड भी उपलब्ध कराया गया है।

शिक्षकों से बोले सीएम- अगले 15 दिन खूब मेहनत कीजिए

सीएम ने शिक्षकों से अपील की कि अगले 15 दिन जमकर मेहनत कीजिए। ग्राम पंचायत, वार्ड में जाकर हर परिवार से मिलिए, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कीजिए कि किस स्कूल में अधिक से अधिक बच्चे आ सकते हैं। स्कूल में बेहतरीन माहौल दीजिए। बच्चों को प्यार से कविताओं, गानों, मुहावरों, लोकोक्तियों के माध्यम से सिखाने की नई पद्धति को जन्म देना होगा। यह शिक्षा बच्चों को जीवन भर याद रहेगी।

नीयत साफ थी तो परिणाम भी अच्छे आए

सीएम ने कहा कि 2017 में पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन व प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने स्कूल चलो अभियान प्रारंभ किया। सरकार की नीयत साफ थी तो परिणाम भी अच्छे आए। शिक्षा के उन्नयन के लिए सरकार की नीति स्पष्ट थी। सरकार बिना भेदभाव हर बच्चे तक योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के संकल्प के साथ बढ़ी थी। 2017 में बेसिक शिक्षा परिषद में केवल 36 फीसदी विद्यालय ही पूरी तरह संतृप्त माने जा रहे थे। उस समय टॉयलेट, पेयजल, फर्नीचर, लाइब्रेरी, लाइट, मिड डे मील आदि की समुचित व्यवस्था नहीं थी। तब ऑपरेशन कायाकल्प चलाकर मैंने जनप्रतिनिधियों, उद्यमियों, अधिकारियों से अपील की कि बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में व्यापक रूप से सुविधाएं उपलब्ध कराकर संतृप्तिकरण के लक्ष्य को पूरा किया जाए और उसके पैरामीटर तय किए जाएं।

5 वर्ष में 96 फीसदी से अधिक विद्यालयों का संतृप्तिकरण

सीएम ने कहा कि हमने तय किया कि हर स्कूल में बालक/बालिकाओं के लिए अलग टॉयलेट, पेयजल और मिड डे मील में प्रतिदिन का भोजन तय हो। स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, सरकार की ओर से हर बच्चे को यूनिफॉर्म, बैग, किताबें आदि देकर सभी सुविधाओं से आच्छादित किया जाए। विद्यार्थियों व शिक्षकों के अनुपात को ठीक किया जाए। इसके लिए अभियान प्रारंभ किया गया। इसका असर हुआ कि बेसिक शिक्षा विद्यालयों का 36 फीसदी का संतृप्तिकरण बढ़कर अगले पांच वर्ष में 96 फीसदी से अधिक हो गया। हर बच्चे को बैग, बुक, जूते-मोजे, स्वेटर, यूनिफॉर्म आदि मिलना प्रारंभ हुआ, परिणामस्वरूप नामांकन बढ़ा। 9 वर्ष में 60 लाख से अधिक बच्चे बेसिक शिक्षा परिषद में बढ़े और ड्राप आउट रेट 19-20 फीसदी से घटकर 3-4 फीसदी तक रह गया।

बच्चा स्कूल नहीं गया तो समाज व राष्ट्र की क्षति

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वस्थ समाज के लिए आवश्यक है कि कोई भी बच्चा स्कूल से जाने से वंचित न रहे। कोई भी बच्चा यदि शिक्षा से वंचित है तो यह केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज व राष्ट्र की भी क्षति है। इन्हीं बच्चों को समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में नेतृत्व देना है। यहां बैठे जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षक आदि भी कभी छात्र थे। सभी ने पढ़ाई की तो इस स्तर तक पहुंचे। यदि बच्चा पढ़ा-लिखा नहीं है तो समाज व राष्ट्र की अपूर्णीय क्षति करेगा और दिग्भ्रमित हो जाएगा। हमें ऐसी पीढ़ी खड़ी करनी है, जो राष्ट्र के कर्तव्यशील नागरिक के रूप में दायित्वों का निर्वहन कर सके।

स्कूल चलो अभियान को जनांदोलन का हिस्सा बनाएं

सीएम ने स्कूल चलो अभियान को अच्छी शुरूआत बताया। सीएम ने समाज के हर वर्ग से भी अपील की कि स्कूल चलो अभियान को जनांदोलन का हिस्सा बनाएं और हर बच्चे को स्कूल पहुंचाएं। बेसिक शिक्षा परिषद के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों का दायित्व है कि जिन बच्चों का एडमिशन हुआ है, उन्हें समय पर यूनिफॉर्म का पैसा, बैग, बुक्स, जूता-मोजा समेत आवश्यक सुविधाएं प्राप्त हों और पठन-पाठन का बेहतरीन माहौल हो।

शिक्षा क्षेत्र में यूपी सरकार सतत कार्यरत

मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएम मोदी जी ने 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की है। 26 वर्ष के पश्चात भारत ने यह नीति घोषित की। लर्निंग बाई डूइंग कार्यक्रम के माध्यम से प्रारंभिक स्तर पर ही बच्चों को कौशल आधारित शिक्षा देना प्रारंभ किया गया है। प्रदेश सरकार ने शिक्षामित्रों के मानदेय को 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार तथा अनुदेशकों के मानदेय को 9 हजार प्रतिमाह से बढ़ाकर 17 हजार किया है। हर शिक्षामित्र, शिक्षक, प्रधानाचार्य, रसोइया, अनुदेशक को पांच लाख रुपये वार्षिक कैशलेस इलाज की सुविधा घोषित की है।

मां शाकंभरी की बरस रही विशेष कृपा

सीएम ने कहा कि स्कूल चलो अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ मां शाकंभरी की पावन धरा पर हो रहा है। यह ईश्वरीय कृपा ही है कि देर रात्रि से यहां खूब बारिश हो रही है। किसानों के लिए अन्न भंडारण करने और भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए मां शाकंभरी की विशेष कृपा बरस रही है। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी, कुंवर बृजेश सिंह, विधायक मुकेश चौधरी, राजीव गुंबर, देवेंद्र कुमार निम, पूर्व सांसद राघव लखनपाल, प्रदीप चौधरी, सिडको के अध्यक्ष वाईपी सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत राणा आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी कविता मीना व पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह के द्वारा जनपद के प्रमुख कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने कांवड़ मार्गो पर सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य एवं मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए कांवड़ मार्गों पर जहां पर भी गड्ढे रह गए हैं उनकी मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। विद्युत के पोल पर झूलते हुए तारों को सही कराया जाए साथ ही पोल के नीचे अस्थाई रूप से काले रंग की पॉलिथीन लगाई जाए।

परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। परमवीर चक्र विजेता अमर शहीद वीर अब्दुल हमीद की जयंती के अवसर पर आज चिलकाना रोड स्थित नया चिलकाना बस स्टैंड के पास शहीद वीर अब्दुल हमीद चौक पर एक गरिमापूर्ण श्रद्धांजलि एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस विशेष कार्यक्रम का आयोजन शहीद वीर अब्दुल हमीद मेमोरियल शिक्षा एवं सामाजिक समिति द्वारा किया गया, जिसमें सैन्य अधिकारियों, राजनेताओं और सामाजिक कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल लवदीप यादव (कमांडेंट, रिमाउंट डिपो, सहारनपुर) उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता विख्यात पद्मश्री योगाचार्य भारत भूषण ने की। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधि और राजनेता भी शहीदों को नमन करने पहुंचे, जिनमें मुख्य रूप से बेहट विधायक उमर अली खान, पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री सुरेंद्र कपिल, समिति के संस्थापक मुरसलीन उर्फ मधधा, सभी अतिथियों ने देश के इस महान सपूत के चित्र पर माल्यार्पण कर और पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने शहीद वीर अब्दुल हमीद के अदम्य साहस को याद किया। उन्होंने कहा कि 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में वीर अब्दुल हमीद ने अपनी जान की परवाह न करते हुए और असाधारण राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए दुश्मन देश के कई अजेय माने जाने वाले पैटन टैंकों को अकेले ही ध्वस्त कर दिया था। उनका यह सर्वोच्च बलिदान भारतीय सेना के गौरवशाली इतिहास में दर्ज है और हर देशवासी के लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेगा। मुख्य अतिथि कर्नल लवदीप यादव ने उपस्थित युवाओं से बात करते हुए कहा कि वे देश के शहीदों के जीवन से सीख लें और राष्ट्रसेवा, कड़े अनुशासन व सच्ची देशभक्ति की भावना को अपने जीवन में अपनाएं। वहीं, अपने अध्यक्षीय संबोधन में पद्मश्री योगाचार्य भारत भूषण जी ने कहा शहीदों का सम्मान करना किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय का परम कर्तव्य है। उनके वीर गाथाओं और आदर्शों को नई पीढ़ी तक सही रूप में पहुँचाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष पंकज शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष मुजफ्फर चौधरी, पूर्व नगर अध्यक्ष वरुण शर्मा, मंडलीय प्रवक्ता नरेंद्र शर्मा, कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष गुलशेर आलम, महानगर अध्यक्ष आरिश सिद्दीकी, इसरार प्रमुख, राशिद प्रधान, शमीम अहमद, कुर्बान मलिक, नसीम उस्मानी, खुर्शीद अहमद, यमन अल्वी और डॉ. थानवी सहित भारी संख्या में क्षेत्रवासी, सामाजिक कार्यकर्ता और युवा साथी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के शुभ अवसर पर आज यू पी नर्सिंग होम एसोसिएशन की सहारनपुर ब्रांच ने शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर वरिष्ठ बालरोग विशेषज्ञ डॉ आर के गोयल, वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ सुरेंद्र शर्मा, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ जयपाल चंद एवं वरिष्ठ सर्जन डॉ एस एस गोयल जी को उनके आवास पर जाकर सम्मानित किया।

नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ डी के गुप्ता एवं सचिव डॉ राहुल सिंह ने सभी चिकित्सको को उनकी सेवाओ के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किये एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। इस अवसर पर डॉ महेश गोयल, डॉ मोहन सिंह, डॉ राजेश गुप्ता, डॉ नरेश नोसरान, डॉ रिक्की चौधरी डॉ विकास अग्रवाल आदि चिकित्सक शामिल रहे।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर द दून वैली पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने किया चिकित्सकों का सम्मान

राजीव मोंगरा

देवबंद/सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे के अवसर पर द दून वैली पब्लिक स्कूल देवबंद के विद्यार्थियों ने समाज के प्रति समर्पित चिकित्सा सेवाओं के लिए क्षेत्र के वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. डी.के. जैन जी, डॉ. अनुज गोयल, डॉ.अनवर सईद के साथ डॉ. लक्ष्य गुप्ता, डॉ. सऊद नफीस, डॉ.मोहम्मद सलमान, डॉ. सौरभ यादव व डॉ. रिंकिया चौधरी के चिकित्सालय पहुंचकर उनका अभिनंदन किया। विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ एवं सम्मान-चिन्ह भेंट कर चिकित्सकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की तथा उनके स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कहा कि चिकित्सक केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि अपनी निस्वार्थ सेवा, मानवीय संवेदनाओं और समर्पण के माध्यम से समाज को स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे ऐसे सभी चिकित्सकों के प्रति सम्मान, आभार और विश्वास व्यक्त करने का महत्वपूर्ण अवसर है, जिन्होंने अपने ज्ञान, अनुभव और सेवा-भाव से असंख्य लोगों के जीवन को नई दिशा प्रदान की है। अभिनंदन के उपरांत डॉक्टर्स ने विद्यालय परिवार एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित सम्मान और स्नेह उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, संतुलित आहार लेने, नियमित व्यायाम करने, स्वच्छता अपनाने तथा अनुशासित जीवनशैली को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। साथ ही उन्होंने मानव सेवा, करुणा और नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाने का संदेश भी दिया। विद्यालय के चेयरमैन राजकिशोर गुप्ता ने कहा कि चिकित्सकों का समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है और वे अपने समर्पण व सेवा-भाव से मानवता की सेवा करते हैं। उन्होंने इस आयोजन के लिए विद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सम्मान, संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा शर्मा ने कहा कि चिकित्सक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका समर्पण, सेवा-भाव और मानवीय दृष्टिकोण प्रत्येक नागरिक के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, निःस्वार्थ सेवा की भावना तथा अपने आदर्शों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बसपा प्रत्याशी एड. फिरोज आफताब के शक्ति प्रदर्शन ने देहात विधानसभा में बढ़ाई राजनीतिक हलचल

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। गागलहेड़ी में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) द्वारा देहात विधानसभा सीट से एडवोकेट फिरोज आफताब को अधिकृत प्रत्याशी घोषित किए जाने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा।

समर्थकों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को शक्ति प्रदर्शन का रूप दे दिया। कार्यक्रम में बसपा के शीर्ष नेताओं ने मंच से एड. फिरोज आफताब के नाम की औपचारिक घोषणा करते हुए उन्हें देहात विधानसभा से पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी बताया। घोषणा होते ही कार्यकताओं और समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी कर खुशी का इजहार किया। पूरा पंडाल तालियों और जयकारों से गूंज उठा।

अपने संबोधन में एड. फिरोज आफताब ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्षेत्र की जनता के विश्वास और अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका चुनाव जनता के सहयोग और आशीर्वाद से लड़ा जाएगा तथा क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि बसपा के इस शक्ति प्रदर्शन ने देहात विधानसभा क्षेत्र में चुनावी माहौल को और गर्म कर दिया है। अब सभी राजनीतिक दलों की निगाहें इस सीट पर होने वाले आगामी चुनावी मुकाबले पर टिकी हुई हैं।

बुनियादी साक्षरता से जन-जन होगा साक्षर, जीवन में आयेगी नई रोशनीः बोहरा

साक्षरता केन्द्र पर निरक्षरों को बांटी शिक्षण सामग्री, साक्षर होने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया ब्यूरो

बाड़मेर राजस्थान। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से राजस्व गांव सांसियों का तला मरटाला गाला में निरक्षरों को बुनियादी साक्षरता के माध्यम से साक्षर बनाने को लेकर साक्षरता केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। जिस कड़ी में बुधवार को स्टेट अवार्डी शिक्षक व साक्षरता प्रेरक मुकेश बोहरा अमन एवं ग्राम पंचायत साक्षरता प्रभारी डालूराम सेजू की उपस्थिति में निरक्षरों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई तथा जीवन में साक्षरता का महत्व बताया गया।

ग्राम पंचायत साक्षरता प्रभारी डालूराम सेजू ने बताया कि विभागीय निदेशों की पालना में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम सत्र 2026-27 के लिए पंचायत स्तर पर 120 निरक्षरों का चयन किया गया है। जिन्हें बुनियादी साक्षरता प्रदान करने को लेकर स्वयंसेवकों के सहयोग से साक्षरता केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। जिसमें बुधवार को निरक्षरों को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। निरक्षरों ने भी साक्षर होने का संकल्प लिया।

स्टेट अवार्डी शिक्षक व साक्षरता प्रेरक मुकेश बोहरा अमन ने कहा कि नवभारत साक्षरता कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर सांसियों का तला में सक्रियता के साथ निरक्षरों को बुनियादी शिक्षा का ज्ञान दिया जा रहा है। अमन ने कहा कि बंनियादी साक्षरता के इस कार्यक्रम से जहां एक ओर जन-जन साक्षर होगा, वहीं उन लोगों के जीवन में नई रोशनी का संचार होगा तथा उनमें अक्षर व संख्या ज्ञान के प्रति समझ बढ़ सकेगी।

इस दौरान मुकेश अमन, डालूराम सेजू, राजेश जोशी, फूलवन्ती, बसन्ती, राणी, सुनीता, राणी आदि उपस्थित रहे।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपा प्रदेश सचिव रेहान खान की महा-मुहिम: सेवा, संवेदना और पर्यावरण संरक्षण का दिया बड़ा संदेश

दर्जनों गांवों में पहुंचकर जरूरतमंदों को बांटे वस्त्र व कुंतलों मिठाई; 11 कन्याओं के विवाह के लिए दी 21-21 हजार की आर्थिक मदद

वेलकम इंडिया संवाददाता

लखीमपुर खीरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन के अवसर पर जहां पूरे प्रदेश में सपा नेताओं और कार्यकताओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, वहीं लखीमपुर खीरी में सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने इस अवसर को सिर्फ एक पारंपरिक राजनीतिक आयोजन तक सीमित न रखकर जनसेवा, मानवता और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ बेहद अनूठे और ऐतिहासिक अंदाज में मनाया। उन्होंने पलिया तहसील क्षेत्र के दर्जनों गांवों में एक व्यापक जनसेवा अभियान चलाकर गरीब, असहाय और जरूरतमंद परिवारों के बीच खुशियां बांटीं तथा समाज के प्रति अपनी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की।

गांव-गांव पहुंचे रेहान खान, महिलाओं और बच्चों के चेहरे खिले

सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने पलिया तहसील के कमलापुरी, गोविंद नगर, संपूर्णानगर, बिसेनपुरी, सुमेर नगर, ग्राम सिमरी, पलिया और पतवारा सहित दर्जनों सुदूर गांवों का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और आर्थिक रूप से कमजोर व जरूरतमंद महिलाओं को नए सूट और साड़ियां वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। वहीं, बच्चों के साथ बेहद आत्मीयता से समय बिताते हुए उन्होंने अपने हाथों से उन्हें मिठाई खिलाई, चॉकलेट और टॉफियां बांटीं। इस भव्य आयोजन के दौरान कुंतलों के हिसाब से मिठाई का वितरण किया गया। बच्चों की खुशी देखकर रेहान खान ने भावुक होते हुए कहा कि समाज की असली खुशी और उत्सव तभी सार्थक है, जब समाज के हर गरीब के चेहरे पर मुस्कान हो।

11 बेटियों के विवाह के लिए बढ़ाई मदद की हाथ

जनसेवा के इस विशाल अभियान के तहत रेहान खान ने एक अत्यंत सराहनीय और संवेदनशील पहल की। उन्होंने क्षेत्र की 11 गरीब व जरूरतमंद कन्याओं के विवाह के लिए 21-21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता (कुल 2,31,000) अपनी ओर से उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि बेटियों की शादी में सहयोग करना और जरूरतमंद परिवारों का हाथ थामना किसी भी जागरूक समाज की पहली जिम्मेदारी है। यदि सक्षम लोग समय-समय पर आगे आकर ऐसे परिवारों की मदद करें, तो समाज में बहुत बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

पर्यावरण संकल्पः दो रुद्राक्ष सहित लगाए 121 पौधे

बढ़ते प्रदूषण और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की गंभीर चुनौती

को देखते हुए रेहान खान ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का एक बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कार्यकताओं और ग्रामीणों के साथ मिलकर दर्जनों गांवों में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया, जिसके तहत 121 पौधों का रोपण किया गया। इसमें विशेष रूप से दो रुद्राक्ष के पौधे भी शामिल रहे। इस दौरान उन्होंने कहा पेड़-पौधे हमारे जीवन का असली आधार हैं। आज के दौर में पौधरोपण अब कोई विकल्प या शौक नहीं, बल्कि हमारी सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी बन चुका है। हमारा कर्तव्य केवल पौधा लगाना ही नहीं, बल्कि एक अभिभावक की तरह उसकी देखभाल करना भी है। पेड़-पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखते हैं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की नींव भी हैं।'

सच्ची शुभकामना जमीन पर काम करना हैः रेहान खान

कार्यक्रम के दौरान सपा कार्यकताओं ने केक काटकर अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन बेहद उत्साहपूर्वक मनाया और उनके दीघार्यु व स्वस्थ जीवन की कामना की। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव रेहान खान ने कहा माननीय अखिलेश यादव जी हमेशा गरीबों, किसानों, युवाओं, महिलाओं और समाज के कमजोर व वंचित वर्गों के हितों की आवाज उठाते रहे हैं। उनके जन्मदिन पर केवल भाषण देना या होर्डिंग लगाना काफी नहीं है, बल्कि जमीन पर उतरकर जरूरतमंदों की मदद करना और समाजहित में कार्य करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा और शुभकामना है।

उन्होंने आगे राजनीति की परिभाषा को स्पष्ट करते हुए कहा राजनीति का उद्देश्य केवल चुनाव जीतना, भाषण देना या पद हासिल करना नहीं होना चाहिए। राजनीति का असली माध्यम समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर उसकी समस्याओं को समझना और जरूरत के समय उसके साथ खड़े होना है। किसी भी जनप्रतिनिधि या राजनीतिक कार्यकर्ता की असली पहचान उसके पदों से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक सरोकारों से होती है। समाजवादी पार्टी की मूल विचारधारा हमेशा सामाजिक न्याय, समानता, भाईचारे और जनसेवा पर आधारित रही है और भविष्य में भी हम ऐसे सेवा कार्य लगातार जारी रखेंगे।

सैकड़ों कार्यकताओं और ग्रामीणों ने सराहा, संकल्प दिवस के रूप में मनाया दिन

इस पूरे विशाल आयोजन में मौजूद समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की नीतियों और जनकल्याणकारी विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से जितेन्द्र त्रिपाठी, श्याम बिहारी, श्रीकिशन मौर्य, रीता सिंह, सुमित्रा देवी, वहीद खान, पत्येंद्र सिंह कक्कू, संजय शुक्ला, काले प्रधान, जावेद अख्तर सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता, ग्रामीण एवं क्षेत्रीय नागरिक मुस्तैदी से मौजूद रहे। पूरे पलिया क्षेत्र के ग्रामीणों ने रेहान खान की इस अनूठी जनसेवा पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इसे समाज के अन्य नेताओं के लिए एक महान प्रेरणादायक उदाहरण बताया।

चम्पावत में मानसून को लेकर निरंतर कार्य जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी चम्पावत श्री मनीष कुमार द्वारा मानसून काल के दौरान आम जनमानस की सुरक्षा और सुविधा को लेकर दिए गए कड़े निदेर्शों के क्रम में चम्पावत जिला प्रशासन और सभी संबंधित सड़क निर्माण एजेंसियां अलर्ट मोड पर काम कर रही हैं। इसके तहत जिले भर में जलभराव और भूस्खलन जैसी स्थितियों से निपटने के लिए सड़कों के किनारे नाली सफाई, कलवर्ट (पुली) सफाई और झाड़ी कटान का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है ताकि भारी बारिश के दौरान भी पानी की निकासी सही ढंग से हो सके और लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

मानसून की सक्रियता को देखते हुए निर्माण एजेंसियों द्वारा लगातार सड़कों के किनारे उगी झाड़ियों को काटा जा रहा है, जिससे मोड़ों पर दृश्यता बनी रहे और दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। इसके साथ ही बंद पड़ी नालियों और कलवर्ट की गाद व मलबे को साफ करने का काम भी निरंतर जारी है।

विगत दिनों हुई वर्षा के कारण जनपद के विभिन्न मार्गों पर जो बोल्डर और मलबा आ गया था, उसे संबंधित कार्यदायी संस्थाओं द्वारा तत्परता दिखाते हुए मशीनों और श्रमिकों की मदद से तुरंत हटा दिया गया है। प्रशासन का मुख्य फोकस इस बात पर है कि भारी बारिश के बावजूद जिले की मुख्य और संपर्क सड़कें किसी भी स्थिति में बाधित न हों। मलबे को समय रहते हटाने और जल निकासी की सुदृढ़ व्यवस्था करने से जिले में यातायात पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि मानसून के दौरान किसी भी मार्ग के बंद होने पर तुरंत रिस्पॉन्स टाइम के भीतर उसे खोला जाए, ताकि आम जनता और आपातकालीन सेवाओं को आवागमन में कोई असुविधा न हो।

नदी किनारे रहने वालों को चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। सिंचाई खंड लोहाघाट (चम्पावत) द्वारा मानसून के दौरान जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शारदा एवं हुड्डी नदी के जलस्तर में संभावित वृद्धि को देखते हुए आवश्यक चेतावनी के साथ ही खतरों वाले स्थान पर साइनेज एवं एडवाइजरी जारी की गई है। सहायक अभियंता, सिंचाई खंड लोहाघाट मनोज तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि लगातार वर्षा के कारण नदियों का जलस्तर अचानक बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में आमजन से अपील की गई है कि वे नदी किनारों पर अनावश्यक आवाजाही न करें तथा किसी भी स्थिति में नदियों में स्नान न करें। जनसुरक्षा की दृष्टि से नदियों में स्नान पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। उन्होंने बताया कि नदी किनारे रहने वाले नागरिक विशेष सतर्कता बरतें तथा बच्चों को भी नदी के आसपास जाने से रोकें। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल स्थानीय प्रशासन अथवा आपदा कंट्रोल रूम को सूचित करें। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि मानसून अवधि के दौरान जारी सुरक्षा संबंधी निदेर्शों का पालन करें तथा स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने में प्रशासन का सहयोग करें।

सीईओ ने एसआईआर अभियान की समीक्षा की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने आज कुमांऊ एवं गढ़वाल के मंडल आयुक्तों (रोल ऑब्जर्वर) के साथ वीडियो कांन्फ्रेंस कर विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि दोनों मंडलों में मंडलायुक्त जनपदों की फील्ड विजिट कर ऐसे पोलिंग बूथ का भ्रमण करें जहां ह्वअन कलेक्टेबलह्व श्रेणी में मार्क मतदाताओं की संख्या अधिक है। उन्होंने निर्देश दिए कि मंडलायुक्त, डीईओ/ईआरओ द्वारा जांच की गई एसएसडी सूची की भी समीक्षा करें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि बूथ लेवल अधिकारी ऐब्सेंट, शिफ्टेड और डेथ सूची में शामिल मतदाताओं के गणना फार्म पर यथोचित टिप्पणी अवश्य अंकित करें। ऐसी प्रत्येक टिप्पणी पर बीएलओ सहित बूथ अवेयरनेस ग्रुप के सदस्यों के हस्ताक्षर प्राप्त करें मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि आगामी 14 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद दावे और आपत्तियों के निस्तारण के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 70 ईआरओ के साथ ही 800 एईआरओ की भी तैनाती की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जनपद इस बात का विशेष ध्यान रखें कि नोटिस फेज में किसी भी मतदाता को अनावश्यक परेशानी ना हो। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने निर्देश दिए कि पहाड़ी क्षेत्रों में दावे आपत्तियों के निस्तारण के लिए न्याय पंचायत स्तर पर कैंम्प लगाने हेतु रोस्टर तैयार किया जाए। मैदानी क्षेत्र के मतदाताओं की सुविधा के लिए तहसील के अतरिक्त नगर निगम, नगर पंचायत और वार्ड लेवल पर कैंप का रोस्टर तैयार किया जाए। बैठक में कुमांऊ कमिश्नर दीपक रावत, गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरुप, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास उपस्थित रहे।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दो लोग गिरफ्तार

असदुल्लाह सिद्दीकी

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। थाना त्रिलोकपुर पुलिस ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और संभावित संज्ञेय अपराधों की रोकथाम के लिए बुधवार को दो लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में पुलिस ने शिवकुमार यादव निवासी मेठिया प्रतापपुर और विकास पाण्डेय निवासी तेनुई को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170/126/135 के तहत गिरफ्तार किया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक तालीमुद्दीन खां, उपनिरीक्षक ईशान्शु श्रीवास्तव, आरक्षी सोनू शर्मा और आरक्षी अवनीश सिंह शामिल रहे।

लीगेसी वेस्ट के समयबद्ध निस्तारण के लिए डीएम ने किया फर्नील ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी चम्पावत मनीष कुमार ने बुधवार को लोहाघाट स्थित फर्नील ट्रेंचिंग ग्राउंड का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप लीगेसी वेस्ट को शीघ्र एवं शत-प्रतिशत समाप्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ट्रॉमेल मशीन के माध्यम से कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की प्रक्रिया का निरीक्षण करते हुए कार्य में और तेजी लाने तथा मॉडल वेस्ट मैनेजमेंट के रूप में विकसित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

जिलाधिकारी ने कम्पोस्टिंग यूनिट का भी निरीक्षण किया तथा जैविक अपशिष्ट के प्रभावी प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने ट्रेंचिंग ग्राउंड में नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव सुनिश्चित करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरणीय मानकों का पूर्ण अनुपालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लीगेसी वेस्ट का समयबद्ध एवं वैज्ञानिक निस्तारण जनपद की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा आमजन के स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्धारित समयसीमा में लक्ष्य प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद लोहाघाट गोविन्द वर्मा, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद लोहाघाट सौरभ नेगी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपित गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

असदुल्लाह सिद्दीकी

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। थाना त्रिलोकपुर पुलिस ने बुधवार को नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा था। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय के निर्देशन में उपनिरीक्षक शिव नारायण सिंह ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए कठौतिया पांडेय निवासी कृष्णा उर्फ किशन यादव को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध नाबालिग से दुष्कर्म, संबंधित धाराओं एवं पॉक्सो एक्ट के तहत थाना त्रिलोकपुर में मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया। पुलिस का कहना है कि महिलाओं और बच्चों से जुड़े अपराधों में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार चलाया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में हेड कांस्टेबल धनंजय दूबे और महिला कांस्टेबल इंद्रा तिवारी भी शामिल रहीं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन पर 53 पौधों का रोपण

समाजवादी सरकार में निर्मित राजकीय इन्टर कॉलेज करूआ में हुआ पौधारोपण

असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के 53वें जन्मदिन के अवसर पर बढ़नी ब्लॉक के करूवा स्थित समाजवादी सरकार में निर्मित राजकीय इन्टर कॉलेज, करूवा परिसर में 53 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी शिक्षक सभा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मणेन्द्र मिश्रा ने किया। मिश्रा ने कहा तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सिद्धार्थनगर में विकास के अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए, जिनमें शोहरतगढ़ विधानसभा में राजकीय इन्टर कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय है। नेपाल सीमा के समीप इस कॉलेज से बच्चों को बेहतर शिक्षा मिलती लेकिन मौजूदा सरकार में यह उपेक्षा का शिकार है। कॉलेज तक पहुंचने का मार्ग जर्जर है। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं एवं स्थानीय लोगों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस को सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए 53 पौधों का रोपण किया गया है। जिनमें अमलतास, गुलमोहर, आम, अमरूद, अशोक, सीसम सहित अन्य पौधे शामिल हैं। कार्यक्रम में शकील शाह जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक, जावेद खान प्रदेश सचिव, सेक्टर प्रभारी हरिनाथ यादव, मसूद आलम, मुजम्मिल खान, पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी गोपाल फौजी, सेक्टर प्रभारी मकबूल, प्रदेश सचिव अनुज चौधरी, राष्ट्रीय सचिव छात्र सभा अतुल शुक्ला एवं अजय चौरसिया, नीबूलाल अग्रहरि, फैजान , शादाब, इरशाद, संजय यादव, मकबूल, नूर मोहम्मद, अभिनव, मन्नान, गोपाल मिश्रा, दिनेश चौधरी सहित सैकड़ों महिलाएं एवं ग्रामीण आदि उपस्थित रहे।

60 लाख की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, कार व मोबाइल भी बरामद

असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपदीय पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 308 ग्राम अवैध स्मैक (हेरोइन) के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बरामद हेरोइन की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त एक चार पहिया वाहन और दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत प्रसाद ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि थाना सिद्धार्थनगर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम को सूचना मिलने पर कार्रवाई की गई, जिसमें दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 308 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की गई।

बरामद वाहन और मोबाइल फोन को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि तस्करी का नेटवर्क किन-किन लोगों से जुड़ा है और इस अवैध कारोबार में अन्य कौन-कौन शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

लालीवाव मठ में श्री पद्मनाभ गोकुलम् सामुदायिक भवन का शिलान्यास, 1008 पौधों के रोपण अभियान का शुभारंभ

संत-महात्माओं व जनप्रतिनिधियों ने किया भूमि पूजन, गौसंरक्षण एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

बांसवाड़ा। धर्म, साधना और तपस्या की ऐतिहासिक स्थली श्री लालीवाव मठ में बुधवार को प्रस्तावित 'श्री पद्मनाभ गोकुलम् (गौशाला) सामुदायिक भवन' का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन एवं शिलान्यास सम्पन्न हुआ। समारोह के साथ ही मठ परिसर में 1008 पौधे लगाने के लक्ष्य वाले व्यापक पौधारोपण अभियान का शुभारंभ भी किया गया। इस अवसर पर संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गौसंरक्षण, पर्यावरण संरक्षण एवं सनातन संस्कृति के संवर्धन का सामूहिक संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि विधायक एवं पूर्व मंत्री अर्जुनसिंह बामनिया ने लालीवाव मठ के पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर श्रीमहंत हरिओमदासजी महाराज, गुरु आश्रम छींच के ब्रह्मपीठाधीश्वर श्रीमहंत घनश्यामदासजी महाराज, विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय सह मंत्री एवं भारतमाता मंदिर के महंत रामस्वरूपजी महाराज, घाटोल विधायक नानालाल निनामा तथा जिला कांग्रेस संगठन महासचिव मनीष एन. त्रिवेदी सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया।

वैदिक कर्मकाण्ड प्रमुख आचार्य पं. कमल भट्ट (झड़स) तथा सह-आचार्य पं. अमित भट्ट के सान्निध्य में अभिमंत्रित शिलाओं की स्थापना, आरती, पुष्पांजलि एवं गौपूजन सम्पन्न कराया गया।

1008 पौधों से होगा हरित विकास

भूमि पूजन के उपरांत संत-महात्माओं एवं अतिथियों ने अशोक का पौधा लगाकर पौधारोपण अभियान का शुभारंभ किया। मठ परिसर, परिधि क्षेत्र तथा खेतों की मेड़ों पर स्थानीय एवं धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण 1008 पौधे लगाए जाएंगे।

धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं : बामनिया

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक अर्जुनसिंह बामनिया ने कहा कि बांसवाड़ा की पहचान 'लोढ़ी काशी' के रूप में है और यहां स्थित मंदिरों एवं तीर्थस्थलों को एक सुव्यवस्थित धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इससे क्षेत्र की धार्मिक पहचान मजबूत होने के साथ पर्यटन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति, गौसेवा और धार्मिक परम्पराओं के संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर सहयोग करना चाहिए।

संतों ने दिया गौसेवा एवं संस्कृति संरक्षण का संदेश

महामण्डलेश्वर श्रीमहंत हरिओमदासजी महाराज ने लालीवाव मठ की ऐतिहासिक परम्पराओं एवं भविष्य की विकास योजनाओं की जानकारी दी। श्रीमहंत घनश्यामदासजी महाराज ने गौ एवं तुलसी को भारतीय संस्कृति का आधार बताते हुए इनके संरक्षण को मानव कल्याण से जोड़ा। नानालाल निनामा ने धर्म एवं समाज सेवा में जनसहभागिता को आवश्यक बताया, जबकि महंत रामस्वरूपजी महाराज ने गौसेवा को वर्तमान समय की महती आवश्यकता बताते हुए सभी गौभक्तों से सहयोग का आह्वान किया। सभी वक्ताओं ने प्रस्तावित श्री पद्मनाभ गोकुलम् को क्षेत्र की महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी पहल बताते हुए समाज से इसके निर्माण एवं संचालन में सक्रिय सहयोग का आग्रह किया।

भामाशाहों ने की सहयोग घोषणाएं

कार्यक्रम के प्रारम्भ में सिटीजन फोरम के अध्यक्ष शैलेन्द्र भट्ट ने श्री पद्मनाभ गोकुलम् परियोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। समारोह में अनेक भामाशाहों एवं श्रद्धालुओं ने गौशाला निर्माण एवं गौसेवा के लिए उदारतापूर्वक आर्थिक सहयोग देने की घोषणाएं कीं।

कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध मंच संचालक डॉ. दीपक द्विवेदी ने किया तथा आभार मनीष एन. त्रिवेदी ने व्यक्त किया। समारोह में पूर्व नगरपालिकाध्यक्ष राजेश टेलर, चौबीसा समाज अध्यक्ष सुधीर चौबीसा, दिगम्बर जैन ग्लोबल महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश सिंघवी, देवबाला राठौड़, राजेश मेहता, शंकरलाल आचेरी, सियारामदास महाराज, नटवरभाई तेली, मुकेश जोशी, विमल भट्ट, पं. विपीन भट्ट, शांतिलाल तेली, रमेश तेली, बाबूसिंह तंवर, श्रवणसिंह, भंवरलाल धाकड़, अनिमेष पुरोहित, राजपालसिंह सिसोदिया, कान्तिलाल सोनी, प्रदीप पंचाल, पं. मनोहर जोशी, रामशंकर जोशी, मुकेश जरादी, सुनील बरोड़िया, अरविन्द खेरावत, शांतिलाल भावसार, मिथिलेश कौशिक सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संगठनों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

साइबर अपराधों से बचाव के लिए ग्रामीणों को किया गया जागरूक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में थाना दुधारा अन्तर्गत ग्राम बाकरगंज में साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजनमानस को ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सचेत करने के उद्देश्य से एक वृहद साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय पुलिस व साइबर थाना की टीम ने ग्रामीणों को साइबर ठगी से बचने के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। कार्यक्रम में स्थानीय क्षेत्र के लगभग 150 लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए वर्तमान में चल रहे विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया और उनसे सुरक्षित रहने के उपाय साझा किया गया। किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना बैंक खाता विवरण, एटीएम पिन, यूपीआई पिन या मोबाइल पर आया वन टाइम पासवर्ड (OTP) कदापि साझा न करें। व्हाट्सएप, एसएमएस या ईमेल पर आने वाले संदेहास्पद और प्रलोभनकारी लिंक्स (जैसे- मुफ्त रीचार्ज, लॉटरी लगना या बिजली बिल कटने का डर दिखाना) पर क्लिक न करें। अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल्स (फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि) को सुरक्षित रखें और किसी भी अनजान व्यक्ति की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार करने व उनसे आर्थिक लेन-देन करने से बचें। पुलिस टीम द्वारा ग्रामीणों को बताया गया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी (Cyber Fraud) का शिकार हो जाता है, तो वह बिना समय गंवाए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराए, ताकि समय रहते पीड़ित की धनराशि को ब्लॉक/वापस कराया जा सके। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक साइबर थाना जयप्रकाश चौबे, उ0नि0 लालचन्द, आ0 रामप्रवेश मद्धेशिया सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए: रफीउद्दीन सिद्दीकी

एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर द्वारा उंचहरा में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को विकास खण्ड सेमरियावा के गांव उंचहरा कला में एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर द्वारा उंचहरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने शिविर का लाभ उठाये। इस अवसर पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सेमरियावा ब्लाक के गांव उंचहरा कला में एआरसी हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर द्वारा उंचहरा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन भावी प्रधान प्रत्याशी रफीउद्दीन सिद्दीकी ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य जीवन का आधार है। निरोगी रहने के लिए नियमित रूप से अपने स्वास्थ्य का चेकअप कराते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से जो लोग किसी कारणवश हॉस्पिटल तक जा नहीं पाते। वह इसका लाभ उठा सकते हैं। स्वास्थ्य शिविर में डायरेक्टर डॉ. मोहम्मद अजमल, डॉ. अनुपमा गुप्ता, डॉ. गुलाम अख्तर, डॉ. महबूब आलम, डॉ. अब्दुल कय्यूम, डॉ. अंकित मोदी, डॉ. अखिलेश चौधरी ने मरीजों की निः शुल्क जांच की और दवाएं व उचित परामर्श भी दिये।

इस अवसर पर मोहम्मद मोकर्रम, मौलाना रफीक अहमद, अबरार अहमद, सुनील कुमार, मोहम्मद कासिफ, खुर्शीद अहमद सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बिस्कोहर-बलरामपुर सीमा पर बीयर से लदा ट्रक पलटा, नगर पंचायत का प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त

असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में बिस्कोहर-बलरामपुर सीमा पर बुधवार तड़के करीब साढ़े चार बजे बीयर से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर नगर पंचायत बिस्कोहर के प्रवेश द्वार से टकराने के बाद सड़क किनारे पलट गया। हादसे में नगर पंचायत का गेट क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि चालक सुरक्षित बच गया और आवागमन भी बाधित नहीं हुआ।

पुलिस के अनुसार, ट्रक (यूपी 30 डीटी 8287) में करीब 1400 पेटी बीयर लदी थी, जिसे अलीगढ़ से महाराजगंज ले जाया जा रहा था। चालक नाजिम पुत्र नूर मोहम्मद, निवासी ग्राम मुजहा, थाना मझिला, जनपद हरदोई ने बताया कि अचानक नींद की झपकी आने से ट्रक अनियंत्रित होकर नगर पंचायत के गेट से टकरा गया और सड़क किनारे पलट गया।

सूचना मिलते ही बिस्कोहर चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखी और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत दुधारा पुलिस ने महिलाओं और वृद्धजनों की सुनी समस्याएं, सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस की जनसेवा, संवेदनशीलता एवं विश्वास निर्माण की नीति के अंतर्गत बुधवार को थाना दुधारा की कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट टीम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं मोहल्लों में भ्रमण कर महिलाओ व वृद्धजनों से मुलाकात की गई।

इस दौरान टीम ने उनके घर पहुंचकर कुशलक्षेम जानी तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। कम्युनिटी पुलिसिंग यूनिट के पुलिसकर्मियों ने वृद्ध नागरिकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, पेंशन योजनाओं, स्वास्थ्य सुविधाओं, सहायता कार्यक्रमों तथा सुरक्षा संबंधी उपायों की जानकारी दी। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस का इस प्रकार उनके बीच पहुंचना न केवल सुरक्षा का एहसास कराता है, बल्कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों में विश्वास और आत्मबल भी बढ़ाता है। थाना दुधारा पुलिस का मानना है कि पुलिसिंग केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के साथ संवेदनशील संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के समाधान का प्रयास करना भी पुलिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कम्युनिटी पुलिसिंग का उद्देश्य पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, सहयोग एवं आत्मीयता को मजबूत करना है, जिससे एक सुरक्षित, जागरूक एवं सशक्त समाज का निर्माण हो सके। थाना दुधारा पुलिस सदैव जनता की सेवा, सुरक्षा एवं सहायता के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वर्गीय पूर्व सांसद शरद त्रिपाठी एक निपुण वक्त रहे-नीलमणि

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कबीर चौरा परिसर स्थित सनकबीर अकादमी के हाल में पूर्व सांसद स्वर्गीय शरद त्रिपाठी की पांचवीं पुण्यतिथि पर मंगलवार को श्रद्धाजंलि सभा का आयोजन महन्त विचारदास की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष/सांसद/केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी सहित तमाम लोगों ने पहुंचकर स्वर्गीय शरद त्रिपाठी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम का संचालन कौशलेंद्र सिंह उर्फ दीपू सिंह ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष/केंद्रीय वित्त राजमा मंत्री पंकज चौधरी ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कहा कि स्वर्गीय शरद त्रिपाठी विलक्षण प्रतिभा के धनी थे। उन्होंने कम समय मे जो शोहरत हासिल की वह कम ही लोगों के हिस्से में आई है। संतकबीरनगर की माटी आज भी उनको याद करती है। जनता की आवाज और जमीन से जुड़े नेता थे। धनघटा विधानसभा क्षेत्र पूर्व प्रत्याशी नीलमणि ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कहा कि उन्होंने कम समय मे बहुत बड़ी लोकप्रियता हासिल की थी वह किसी से छिपी नहीं है। हमें उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। एक चमकता हुआ सितारा जो हमारे बीच अब नहीं रहा।

वे हमेशा सन्तकबीरनगर की चिंता किया करते थे। जो योगदान दिया है उसे हमें याद रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय एक अनुशासित कार्यकर्ता और निपुण वक्त रहे। लोक नेता के सारे गुण उनके अंदर विद्यमान थे। डॉ रामपति राम त्रिपाठी ने सभी साधु संतों के प्रति श्रद्धा रखते हुये कहा कि जो इस श्रद्धाजंलि कार्यक्रम मे आये हैं सभी अपने परिवार के लोग हैं। जो स्नेह और अपनत्व हमे इस दुख की घड़ी में आपसभी ने दिया है जिससे मैं इस दुख की घड़ी में भी अडिग रह पारहा हूं। उन्होंने कहा कि एक पुत्र के मोह में सबको विमुक्त करना ठीक नहीं। उनकी स्मृतियां हमारे पास एक धरोहर के रूप में मौजूद हैं। हमारी सरकार के सबका साथ सबका विकास के नारे को जिसे कबीर ने दिया था उसे स्वर्गीय शरद त्रिपाठी ने संसद में बुलन्द करने का कार्य किया था। जो कमियां कबीर स्थली के विकास में रह गयी हैं उसे वे पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे। महन्त विचार साहेब ने कहा कि स्वर्गीय त्रिपाठी महान व्यक्तित्व के मालिक थे। हमसब उन्हें कभी भी नहीं भूल पायेंगे। उनकी चाहत रहती थी कि कबीर साहेब की बातों को कैसे लोगों तक पहुंचाया जासके।

उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड की व्यवस्था समाप्त

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में आज से प्रदेश में मदरसा बोर्ड की व्यवस्था समाप्त होकर राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण लागू हो गया है।

इस नई व्यवस्था का उद्देश्य अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों में आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और एकरूप शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

उत्तराखंड विद्यालय शिक्षा बोर्ड से संबद्धता, शिक्षा विभाग के मानकों का पालन तथा मुख्यधारा की शिक्षा से विद्यार्थियों को जोड़ने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बारिश ने खोली नगरपालिका के दावों की पोल, मंडी में डूबी किसानों की मेहनत

नवीन अनाज मंडी में किसानों पर 'आफत की बारिश'

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। मानसून की पहली जोरदार बारिश ने जहांगीराबाद नगर की बदहाल व्यवस्था की कलई खोलकर रख दी है। बुधवार की सुबह हुई जोरदार बारिश ने जहां एक ओर भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को राहत दी, वहीं दूसरी ओर नगर पालिका प्रशासन की मानसून तैयारियों की हवा निकाल दी। बारिश थमने के घंटों बाद भी शहर की कई सड़कें और गलियां जलमग्न रहीं, जिससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

जैसा कि फाइल फोटो में देखा जा सकता है, शहर की स्थिति काफी गंभीर हो गई है। मूसलाधार बारिश के चलते शहर के कई वार्डों में जलभराव की गंभीर स्थिति पैदा हो गई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

जल निकासी के उचित प्रबंध न होने के कारण अब पानी लोगों के घरों के भीतर तक घुस चुका है, जिससे आम जनमानस को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों का आरोप है कि नगरपालिका द्वारा सफाई व्यवस्था और जल निकासी के जो बड़े-बड़े दावे किए गए थे, वे कागजों तक ही सीमित रहे। नालियों की समय पर सफाई न होने और अतिक्रमण के कारण बारिश का पानी रास्तों पर जमा होकर अब रिहायशी इलाकों में घुस रहा है। लोगों में स्थानीय प्रशासन की लापरवाही के प्रति भारी आक्रोश है।

इस मामले पर सफाई देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक रोहित कुमार ने बताया कि नगर क्षेत्र में कुल 21 नाले हैं, जिनमें से 19 की सफाई पूरी कर ली गई है। बाहरी क्षेत्र के दो नाले अभी साफ होने बाकी हैं। रोहित कुमार के अनुसार, बीच में अधिशासी अधिकारी के तबादले के कारण कार्य प्रभावित हुआ था, लेकिन जल्द ही बचे हुए नालों की सफाई का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा।

कुछ नालों का निर्माण सही नहीं हुआ है, बहाव लेवल सही नहीं है जिसके कारण पानी निकासी में समय लगता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि नगर पालिका अपने संसाधनों के साथ-साथ सिल्ट उठाने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली किराए पर लेकर सफाई कार्य में जुटी है।

मंडी में किसानों पर 'आफत की बारिश'

नगर की नवीन अनाज मंडी की स्थिति सबसे अधिक दयनीय बनी हुई है। मंडी परिसर पूरी तरह जलमग्न हो गया है, जिससे वहां रखा किसानों का अनाज पानी में बह गया है। कड़ी मेहनत से तैयार की गई फसल के बर्बाद होने से किसान गहरे सदमे में हैं। अब सवाल यह उठ रहा है कि किसानों की इस आर्थिक क्षति की भरपाई आखिर कौन करेगा? व्यापारियों और किसानों ने प्रशासन से मुआवजे की तत्काल मांग की है।

स्कूलों में पहले ही दिन 'अवकाश की मजबूरी'

प्राकृतिक आपदा का असर शिक्षा व्यवस्था पर भी पड़ा है। लंबे अवकाश के बाद आज से खुलने वाले स्कूलों को बारिश और जलभराव के कारण पहले ही दिन अवकाश घोषित करने पर मजबूर होना पड़ा। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूलों ने आनन-फानन में छुट्टी की घोषणा की, जिससे छात्रों की पढ़ाई का सिलसिला शुरू होने से पहले ही बाधित हो गया।

तुलसी हॉस्पिटल में नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया गया: डॉ अर्पित सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

रुड़की। तनिष्क मिया की और से स्वाति व सोनाली ने उपस्थित होकर तुलसी हॉस्पिटल में नेशनल डॉक्टर्स डे मनाया। हॉस्पिटल संचालक डॉ अर्पित त्रिपाठी, डॉ दिनेश त्रिपाठी, डॉ आनन्द भारद्वाज व डॉ श्रीगोपाल नारसन ने संयुक्त रूप से केक काटकर डॉक्टर्स डे कार्यक्रम की शुरूआत की। मुख्य अतिथि पूर्व संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनन्द भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर डॉक्टर्स डे मनाने का उद्देश्य जहां जीवन बचाने वाले डॉक्टर्स के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना है वही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का भी सूचक है। उपभोक्ता मामलों के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ श्रीगोपाल नारसन ने कहा कि हमे डॉक्टर्स की सलाह अवश्य माननी चाहिए तभी हम स्वस्थ व खुशहाल जीवन जी सकते है। प्रज्ञा हॉस्पिटल झबरेड़ा के संचालक डॉ दिनेश त्रिपाठी ने भी डॉक्टर्स डे के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ वंदना भारद्वाज ने भी वर्चुअल रूप में डॉक्टर्स डे पर बधाई दी। इस अवसर पर बृज भूषण कपिल, बिंदेस्वर सैनी, शिवा कुमार गुप्ता, अनिल पंत, जितेंद्र कुमार नवीन पंत, आँचल आदि उपस्थित रहे। तनिष्क मिया की प्रतिनिधि के रूप मैं विशेष रूप से उपस्थित स्वाति एवं सोनाली द्वारा सभी उपस्थित डॉक्टरों एवं अतिथियों को मोमेंटो एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया।

डीएम की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

जिलाधिकारी ने कहा कावड़ झांकी, डीजे की ऊंचाई मानक से अधिक न हो यह सुनिश्चित किया जाए

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुधवार को जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में आगामी पर्वों (श्रावण कावड़ यात्रा, महाशिवरात्रि इत्यादि) के सम्बन्ध में जनपद के समस्त धर्मगुरुओं व वरिष्ठ नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी ने शांतिपूर्ण ढंग से त्यौहार मनाने के लिए जनपद में समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के साथ गोष्ठियों का आयोजन करने के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने कावड यात्रा के दौरान शिविर लगाने हेतु प्रमुख मार्ग से 10 फिट दूरी व सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाने के साथ ही खाना पकाने वालों व उनके सहयोगियों का सत्यापन करने के पश्चात ही अनुमति देने को निर्देशित किया, विद्युत तारों के नीचे व विद्युत ट्रांसफॉर्मर के बराबर में कावड़ यात्रा शिविर न लगाने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य पदार्थों के विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणवत्ता परीक्षण करने के निर्देश दिए। कावड़ यात्रा के दौरान डी0जे0 कम ध्वनि से बजाने तथा अधिक ध्वनि प्रदूषण करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कावड़ यात्रा के दौरान शिविर लगाने हेतु धन उगाही करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त अधिशासी अधिकारियों को साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाकर साफ-सफाई करने व पानी की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति व कावड़ यात्रा के दौरान मार्गो पर पानी की टैंकरों की व्यवस्था एवं मोबाइल शौचालयो को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया। बैठक में जिलाधिकारी ने विद्युत अधिकारी को त्यौहारों पर बिना कटौती के पूर्ण विद्युत आपूर्ति करने तथा कावड़ यात्रा के दौरान विद्युत खम्बो को पॉलिथीन द्वारा ढकवाना तथा ट्रांसफार्मरों को कवर करने तथा विद्युत लाइनों की नियमित पैट्रोलिंग करने के निर्देश दिए।

बैठक में कावण मार्गों एवं त्यौहारों के अवसर पर सड़कों पर निराश्रित पशुओ को पकड़ने के निर्देश दिए। साथ ही बैठक में जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को कावड यात्रा के दौरान मार्गो पर कैम्प लगाकर दवाई की समुचित आपूर्ति, हेल्थ कैम्प व राजकीय एवं निजी अस्पतालो में रोस्टर के हिसाब से ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कावड़ यात्रा के दौरान मुख्य मार्गों पर शराब की दुकानों को कपड़े के ढकने के निर्देश दिए और कावड़ यात्रा वाले मार्गो को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए। साथ ही जिलाधिकारी ने कावड़ झांकी, डीजे की ऊंचाई मानक से अधिक न हो यह सुनिश्चित किया जाए। मानक के विपरीत जाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने कावड़ यात्रा व आगामी त्यौहारों को सौहार्द पूर्ण रूप से मनाने हेतु जनपदवासियों से अनुरोध किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समस्त जनपद वासियों को कावड़ यात्रा व आगामी त्यौहारों की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि हमें ज्ञात है कि पूर्व में कावड यात्रा के दौरान समाज के लोगो द्वारा कावड यात्रा पर पुष्प वर्षा कर गंगा जमुना तहजीब का परिचय दिया गया, इसी प्रकार आगामी त्यौहार कावड़ यात्रा एव महाशिवरात्रि को सौहार्द के साथ मनाएं।

साथ ही उन्होंने सड़क पर कार्यक्रम तथा गैर परंपरागत कार्यक्रम न करने के निर्देश दिए एव समस्त धार्मिक स्थलों, मार्गों व कावड़ यात्रा के दौरान शिविरों पर सी0सी0टी0वी कैमरे लगवाने को निर्देशित किया। जनपद में संवेदनशील मार्गो पर नियमित पैट्रोलिंग करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अभिषेक कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) नीतीश कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थाना डिबाई पुलिस द्वारा 01 शातिर गैंगस्टर अपराधी द्वारा अपराध कारित कर सृजित की गयी 01 मोटरसाइकिल को कुर्क किया गया

वेलकम इंडिया संवाददाता

डिबाई/बुलंदशहर। जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में एसएसपी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में दिनांक 23.06.2026 को थाना नरौरा में पंजीकृत मुअसं- 173/25 धारा 2/3 गैंगस्टर अधि0 मे अभि0 योगेन्द्र उर्फ तिलक सिंह निवासी ग्राम नर्रऊ थाना विजयगढ जनपद अलीगढ की कुर्की मा0 न्यायालय जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में थाना डिबाई पुलिस द्वारा गैंगस्टर अधि0 की धारा 14(1) के अन्तर्गत अभि0 योगेन्द्र उपरोक्त की 01 मोटरसाइकिल सूपर स्पलेन्डर प्लस जिसकी कीमत लगभग 61,500 /-रुपये है, को कुर्क किया गया। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में विशाल प्रताप सिंह चौहान प्रभारी निरीक्षक थाना डिबाई उ0नि0 विनय यादव का0 पवन कुमार, का0 मोहन, रि0का0 आकाश कुमार आदि शामिल रहे।

एमआईईटी में बीटेक के 9 छात्रों का एचसीएल टेक में चयन, छात्रों को मिली मंजिल

उज्ज्वल रस्तौगी

मेरठ(वेलकम इंडिया)। एमआईईटी के बी.टेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग विभाग के 9 छात्रों का चयन मल्टीनेशनल कंपनी एचसीएल टेक में हुआ है। सभी छात्रों का चयन अमेजॉन वेब सर्विस प्रोफाइल के लिए 4.5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर किया।

चयन प्रक्रिया के तहत एचसीएल टेक की एचआर आकृति एवं उनकी टीम ने विद्यार्थियों का पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, एप्टीट्यूड टेस्ट, कैंपस मूल्यांकन, अमेजॉन वेब सर्विस प्रशिक्षण और हैकाथॉन सहित विभिन्न चरणों के माध्यम से आकलन किया। सभी चरणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 9 विद्यार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया।

एमआईईटी के वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल ने कहा कि संस्थान के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में विद्यार्थियों को आधुनिक इंडस्ट्री टूल्स एवं नवीनतम तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे छात्र उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल विकसित करते हैं, बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त करते हैं और भविष्य में अपना स्टार्टअप स्थापित करने के लिए भी सक्षम बनते हैं।

संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह तथा प्लेसमेंट कोऑर्डिनेटर फरमान अख्तर ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जें से 01 अवैध पिस्टल, 02 मैगजीन व 01 अवैध तमंचा मय कारतूस बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

खुर्जा/बुलंदशहर। थाना खुर्जा नगर पुलिस द्वारा एक अभिसूचना के आधार पर 02 शातिर अभियुक्तों को अगवाल कट के पास से 01 अवैध पिस्टल मय 02 मैगजीन व 01 अवैध तमंचा मय कारतूस सहित आमिर पुत्र अलाउद्दीन निवासी मौहल्ला जमाईपुरा कस्बा व थाना सिकन्दराबाद फरहान पुत्र खलील निवासी मौ0 नई वस्ती वंसल सिनेमा के पीछे थाना सिकन्दराबाद को गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबंध में थाना खुर्जा नगर पर मुअसं- 711/2026 धारा 3/25 शस्त्र अधि0 पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।

2027 में बनेगी सपा सरकार, अखिलेश यादव होंगे मुख्यमंत्री: मुमताज आलम

जाकिर तुर्क

मेरठ(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को नगर पंचायत शाहजहांपुर में सपा कार्यकताओं ने पौधरोपण एवं केक काटकर समारोहपूर्वक जन्मदिन मनाया। कार्यक्रम का नेतृत्व सपा यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय सचिव मुमताज आलम ने किया। इस अवसर पर मुमताज आलम ने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता वर्ष 2027 में प्रदेश में सपा की सरकार बनाने का संकल्प लेकर जनता के बीच काम करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव प्रदेश के मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने बताया कि पार्टी के निर्देशानुसार 1 जुलाई से 7 जुलाई तक पूरे प्रदेश में पर्यावरण सप्ताह मनाया जाएगा। इसी क्रम में कार्यकताओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान यूसुफ खां, मुस्ताफिज खां, शकील खान, सोनू खान, गुड्डू खां, मोहसिन खान, जावेद रंगरेज, गुफरान खान, तबरेज खान सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वृंदावन दर्शन की खुशी मातम में बदली: संतकबीरनगर के एक ही परिवार के 5 लोगों की एक्सप्रेसवे हादसे में दर्दनाक मौत

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जिले के बढ़या बाबू गांव से वृंदावन दर्शन के लिए निकला एक परिवार कभी लौटकर घर नहीं आ सका। बुधवार तड़के आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर गांव पहुंचते ही पूरे इलाके में मातम पसर गया। जानकारी के अनुसार, परिवार दोस्त की आर्टिगा कार लेकर वृंदावन जा रहा था। सुबह करीब चार बजे उन्नाव जिले के बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार बस ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार करीब 20 फीट तक घिसटती चली गई और एक्सप्रेसवे से नीचे गिरकर पलट गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में कार सवार विनोद (45), उनकी छह वर्षीय बेटी दिव्या, अंजू (40), उनकी 13 वर्षीय बेटी अमृता और गुनगुन (60) की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, बस में करीब 70 यात्री और कार में 9 लोग सवार थे। हादसे में कार के चार अन्य लोग तथा बस के चार यात्री घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों का आरोप है कि बस चालक शराब के नशे में था और उसे झपकी आने के कारण यह भीषण हादसा हुआ। हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। हादसे में शामिल बस का नंबर BR 06 PF 1024 तथा कार का नंबर UP 58 AK 3461 बताया गया है। घटना के बाद पुलिस और राहत-बचाव दल ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। संतकबीरनगर के बढ़या बाबू गांव में जैसे ही हादसे की सूचना पहुंची, पूरे गांव में कोहराम मच गया। एक ही परिवार के पांच लोगों की असमय मौत से हर आंख नम है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

चिकित्सक दिवस पर पंजाब नैशनल बैंक ने जनपद के चिकित्सकों का किया सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर पंजाब नैशनल बैंक, मंडल कार्यालय, बुलन्दशहर द्वारा जनपद के विभिन्न सरकारी एवं निजी अस्पतालों एवं क्लीनिकों में कार्यरत चिकित्सकों का सम्मान किया गया। मंडल प्रमुख के निर्देशन में मंडल कार्यालय के अधिकारियों ने चिकित्सकों से भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शुभकामना संदेश भेंट किए तथा उनके उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा, समर्पण और मानवता के प्रति अतुलनीय योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मंडल प्रमुख हेमन्त सिंह सोनगरा ने कहा कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की वह सशक्त पहचान है जो पीड़ा में उपचार, निराशा में विश्वास और संकट में जीवन का संबल बनती है। क्योंकि कहते भी है कि

'जहाँ उम्मीदें थम जाती हैं हर एक द्वार, वहीं डॉक्टर बनकर आते हैं ईश्वर का आकार।' जब कोई व्यक्ति जीवन के सबसे कठिन क्षणों से गुजरता है, तब एक चिकित्सक केवल दवा ही नहीं देता, बल्कि साहस और भरोसा भी देता है। आपका अथक परिश्रम, सेवा-भावना एवं मानवता के प्रति समर्पण समाज को स्वस्थ, सुरक्षित एवं सशक्त बनाने में अमूल्य योगदान प्रदान करता है। रोगियों के जीवन में आशा, विश्वास एवं स्वास्थ्य का संचार करने में आपकी भूमिका अतुलनीय है।

हम सभी जानते हैं कि एक डॉक्टर का जीवन त्याग, अनुशासन और निरंतर सेवा का पर्याय है। अपने परिवार, आराम और व्यक्तिगत सुखों से ऊपर उठकर वे समाज के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आज के इस विशेष अवसर पर हम आपके जान, समर्पण एवं सेवा-भावना को नमन करते हैं, समाज एवं राष्ट्र के प्रति आपके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। चिकित्सकों ने पंजाब नैशनल बैंक की इस पहल की सराहना करते हुए बैंक का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे सम्मान समाज में सेवा और समर्पण की भावना को और अधिक सुदृढ़ करते है।

दबिश के दौरान 02 वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में जनपद में वांछितों व न्यायालय में हाजिर न होने वाले अभियुक्तों के खिलाफ जारी गैर जमानतीय वारण्ट के तहत फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी के क्रम में थाना कोतवाली खलीलाबाद उ0नि0 धर्मनाथ यादव, का0 संजीत कुशवाहा, का0 अंकित कुमार ने 01 नफर वारण्टी रमेश पुत्र रामनरायन निवासी कांशीराम आवास खलीलाबाद थाना कोतवाली खलीलाबाद को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। थाना महुली उ0नि0 अशोक कुमार सिंह, का0 छोटेलाला कनौजिया ने 01 नफर वारण्टी धर्मेन्द्र तिवारी पुत्र उदयभान तिवारी निवासी कर्री थाना महुली को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया।

नगर में तीन दिन जलापूर्ति रहेगी बाधित: ईओ नीतू सिंह

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। नगर पालिका परिषद शिकारपुर द्वारा समस्त नगरवासियों को एक संदेश जारी किया गया है कि जल निगम द्वारा नगर पालिका परिषद शिकारपुर के जलकल परिसर में जलापूर्ति व्यवस्था को सुचारु एवं बेहतर बनाने हेतु मुख्य वॉल बदलने का आवश्यक कार्य किया जा रहा है। शिकारपुर ईओ नीतू सिंह ने बताया है कि दिनांक 03 जुलाई 2026 की प्रातः से 06 जुलाई 2026 की सायं तक नगर की नियमित जलापूर्ति बाधित रहेगी। हालाँकि, नगरवासियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नवनिर्मित अवर जलाशय एवं मिनी नलकूपों के माध्यम से जलापूर्ति पूर्ववत जारी रहेगी, जिससे आवश्यकतानुसार पेयजल उपलब्ध कराया जाता रहेगा। समस्त नगरवासियों से अनुरोध है कि उक्त अवधि को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यकतानुसार जल का पूर्व भंडारण कर लें तथा जल का संयमित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करें। असुविधा के लिए खेद है।

सपा कार्यकताओं ने केक काटकर मनाया पूर्व सीएम अखिलेश यादव का जन्मदिन

समाजवादियों ने जन्मदिन के अवसर पर अखिलेश भैया को मुख्यमंत्री बनाने का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। समाजवादी पार्टी की तरफ से शिकारपुर विधानसभा से संभावित प्रत्याशी शिव कुमार शर्मा उर्फ सीटू भाई द्वारा शिकारपुर नगर में बनाए गए कार्यालय पर बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 53 वा जन्मदिन मनाया गया।

शिव कुमार शर्मा सीटू भाई ने केक काटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सपा के शिकारपुर नगर नगर अध्यक्ष आस मोहम्मद गाजी ने कहा है कि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता अखिलेश भैया को 2027 में मुख्यमंत्री के रूप में दोबारा देखना चाहते हैं अखिलेश भैया के कार्यकाल को जानता फिर से याद कर रही है। जन्मदिन के मौके पर सपा कार्यकताओं ने 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर शिव कुमार शर्मा सीटू भाई के अलावा नगर अध्यक्ष मौहम्मद गाजी, नगर महामंत्री संजीव शर्मा संजीव चौधरी गौरव शर्मा नगर उपाध्यक्ष मौहम्मद नाजिम डॉ परवेज आलम मोहम्मद शाकिर मोहम्मद सलमान जावेद सिद्दीकी सूरज ठाकुर मोहम्मद नईम अजीम सौरव मीणा संदीप मीणा रवि ठाकुर सूरज ठाकुर धर्मेंद्र मीणा आदि लोग मौजूद रहे।

सपाईयों ने केक काटकर पूर्व मुख्यमंत्री का मनाया जन्मदिन किया वृक्षारोपण

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। अहार क्षेत्र के गांव मौहरसा में जहांगीराबाद रोड़ के किनारे स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय परिसर में सपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्म दिवस पर कार्यकताओं ने केक काटा और उन्हें शुभकामनाएं दी एवं ईश्वर से दीघार्यु होने की कामना की। इस जन्म दिन समारोह में पिछड़ा वर्ग के प्रदेश सचिव वैद्य नरेंद्र सिंह लोधी ने पार्टी की नीतियों को घर घर पहुंचाने और संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया।सपा जिला सचिव अनिल लोधी ने केक वितरित किया।

इस जन्म दिन समारोह में रामकिशोर लोधी, हसीब अहमद, टीटू गुर्जर, हरिओम जाटव, ब्रहम सिंह समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता डाक्टर हरिओम सिंह ने की और संचालन एस के दत ने किया। इससे पहले सपा कार्यकताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री के जन्म दिवस पर वृक्षारोपण किया।

जीवन हॉस्पिटल का 27वां स्थापना दिवस एवं संस्थापक वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. देवेंद्र शिवाच का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अवलोक उत्सव मंडप में बुधवार को जीवन हॉस्पिटल एंड स्टोन सेंटर का 27वां स्थापना दिवस एवं अस्पताल के संस्थापक वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. देवेंद्र शिवाच का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लेकर डॉ. शिवाच को जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने जीवन हॉस्पिटल एंड स्टोन सेंटर द्वारा पिछले 27 वर्षों से क्षेत्रवासियों को उपलब्ध कराई जा रही गुणवत्तापूर्ण एवं समर्पित स्वास्थ्य सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि अस्पताल ने चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अपनी विश्वसनीय पहचान स्थापित की है और हजारों मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराया। समारोह में केक काटकर अस्पताल का स्थापना दिवस और डॉ. देवेंद्र शिवाच का जन्मदिवस मनाया गया। उपस्थित अतिथियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और निरंतर जनसेवा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में सभी ने अस्पताल की आगामी सफलताओं की भी कामना की। इस अवसर पर डॉ. देवेंद्र शिवाच ने सभी अतिथियों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन हॉस्पिटल एंड स्टोन सेंटर का उद्देश्य केवल उपचार प्रदान करना नहीं, बल्कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी अस्पताल आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करता रहेगा।

अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं जत्था दो बसों द्वारा हुआ रवाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। श्री अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं जत्था दो बसों द्वारा मोदी मंदिर मोदीनगर से 1 जुलाई 2026 दिन बुधवार को रवाना हुआ। कादयान टूर एंड ट्रैवल्स बस के माध्यम से हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा के लिए मोदी मंदिर मोदीनगर से दो बसों द्वारा रवाना हुआ। यात्रा के संयोजक सोनू शर्मा, मंजू शर्मा, लक्ष्य शर्मा, तान्या शर्मा, नवीन कादयान, गौरव कुमार, कृष्ण कुमार, पूर्णेश कुमार ,व अन्य आदि सभी ने मिलकर धार्मिक यात्रा की व्यवस्था की। उन्होंने बताया बताया कि इस वर्ष हमारी दो बसों के माध्यम से सभी यात्रियों को श्री अमरनाथ यात्रा वैष्णो देवी यात्रा व अन्य धार्मिक स्थान पर ले जाकर दर्शन कराएंगे। श्री अमरनाथ यात्रा को लेकर सभी यात्रियों में बड़ी उत्साह और खुशी है यह यात्रा 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होकर 10 जुलाई 2026 को समाप्त होगी।

दंगल में ताऊ हवा सिंह ने पहलवानों को निशुल्क मुगदरों का वितरण किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। महाराजा सूरजमल अखाड़ा गांव रोरी मे आयोजित होने वाले मासिक कुश्ती दंगल में ताऊ हवा सिंह राणा गांव खेड़ा कला दिल्ली वाले ने दंगल में पहलवानों को निशुल्क मुगदरों का वितरण किया। हवा सिंह ने नारा दे रखा है मुगदर घुमाओ स्वस्थ भारत बनाओ हवा सिंह ने बताया आजकल तो जिम खुल गये है और बड़ी बड़ी मशीने आ गयी है।

लेकिन प्राचीनकाल से ही पहलवान मुगदर चलाकर अपना शरीर मजबूत करते आ रहे है। मुगदर चलाना हमारी प्राचीन कला है। जो एक युद्ध कला भी है। अखाड़े के संचालक व श्योराण खाप के चौधरी बाबा परमेन्द्र आर्य ने ताऊ हवा सिंह व उनके साथी राजेश भारद्वाज को फूलमाला पहनाकर व श्योराण खाप स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। दंगल में लगभग 40 कुश्ती हुई।

जीतने वाले पहलवानों को मेडल व नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। दंगल देखने के लिये आसपास के ग्रामीणो के साथ साथ गांव काकडौली जिला भिवानी हरियाणा से चन्दराम श्योराण व राजवीर श्योराण और बलवान श्योराण आदि आये इन सभी को भी श्योराण खाप का स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

कुश्ती दंगल को सफल बनाने मे किसान नेता पप्पी नेहरा, दीपक पहलवन अमराला, अभिषेक पहलवान खंजरपुर, निजाम पहलवान मेरठ, दादा रामनारायण रोरी , दुष्यंत चौधरी मोदीनगर , मनोज कुमार रोरी, ब्रजवीर सिंह सदरपुर, पहलवान विपिन राठी, अमन नेहरा बिसोखर, परविंदर चौधरी पट्टी, मुखिया पहलवान, देवेन्दर राणा, प्रेमपाल मास्टर जी, नरेंद्र श्योराण, विपिन गुलिया, नीरज मलिक बखरवा, ताऊ राजेन्द्र सिंह, सुधीर नेहरा मऊ, संजय श्योराण आदि का योगदान रहा।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर वृक्षारोपण किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन पर वृक्षारोपण किया गया। अखिलेश यादव के 53वे जन्मदिन पर 53 वृक्ष लगा कर जन्मदिन मनाया गया और सभी ने संकल्प लिया कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनानी है। सभी कार्यकताओं को अभी से तैयारी मे लग जाना चाहिए। सभी को अपने बूथ पर मेहनत करनी चाहिए और अपने बूथ को जिताना है। अगर सभी अपना बूथ जीत जाएंगे तो पुन बहुमत की सरकार बनेगी। इस मौके पर प्रदीप शर्मा राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी, (सभासद), दुष्यंत यादव सभासद, राहुल राणा सभासद, रहीसुद्दीन सभासद, सलमान सभासद, बबलू कौशिक सभासद, कृष्णपाल, विनीत, राजीव कुमार, प्रीति, राजेश, सुमित, आदित्य, अक्षय तिवारी, आदि लोग उपस्थिति थे।

सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन बुधवार को नियर राज चौपला, मोदीनगर में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव गिरीश मथुरिया सैन के नेतृत्व में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकताओं ने केक काटा, भंडारे का आयोजन किया तथा मिठाई वितरित कर अखिलेश यादव के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं उज्ज्वल राजनीतिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति ने कहा कि समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में जुट जाए, ताकि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बन सके। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा रुहेला ने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव पिछड़ों, दलितों, किसानों, युवाओं एवं कमजोर वर्गों के हितों की लड़ाई लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकताओं का संकल्प है कि वर्ष 2027 में अखिलेश यादव का जन्मदिन मुख्यमंत्री के रूप में मनाया जाएगा। इसके लिए सभी कार्यकताओं को पूरी निष्ठा, समर्पण और एकजुटता के साथ कार्य करना होगा। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकताओं ने समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और जनसेवा का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव रमेश प्रजापति, प्रदेश महासचिव (पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ) गिरीश मथुरिया सैन, सुरेंद्र त्यागी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा रुहेला, जिला उपाध्यक्ष बॉबी सैन, जिला कोषाध्यक्ष मनीष बंसल, कमलेश चौधरी, बल्लू सिकरी, प्रिंस, तरुण जाटव, सुनील शर्मा, सुनील द्विवेदी, गुलशन नंदा सैन, विजय सैन, नीटू सैन, मनीष वशिष्ठ, अखबर ठेकेदार, अजय सैन, विजय सैन सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार का बड़ा वार: 121 ग्राम एल्प्राजोलम के साथ नशा तस्कर दबोचा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस के 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 121 ग्राम अवैध नशीला पाउडर (एल्प्राजोलम) और उसकी बिक्री से प्राप्त 1,150 रुपये नकद बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, 30 जून को बीआर इंटरनेशनल स्कूल के सामने स्थित खाली मैदान से ओम सिंह उर्फ चोचू (22 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। वह सिद्धार्थ विहार, बागू क्षेत्र में किराये के मकान में रहकर अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा था। बरामदगी के आधार पर थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

आईपीईसी-टीबीआई के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप 'स्किलरे एजुकेशन' को 1.04 करोड़ की फंडिंग

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी)-टीबीआई फाउंडेशन के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप स्किलरे एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड ने कुल 1.04 करोड़ की फंडिंग हासिल की है। यह उपलब्धि शिक्षा एवं कौशल विकास क्षेत्र में स्टार्टअप के नवाचार और निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दशार्ती है। कंपनी को रियल टाइम एंजेल फंड से 50.09 लाख का निवेश तथा भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की जेनेसिस योजना के अंतर्गत 49.95 लाख का अनुदान प्राप्त हुआ है। यह सहायता आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन के माध्यम से उपलब्ध कराई गई। स्किलरे एजुकेशन तकनीक आधारित समाधान विकसित कर रही है, जिनका उद्देश्य शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार क्षमता को बेहतर बनाना है। प्राप्त निवेश का उपयोग कंपनी उत्पाद विकास, नई तकनीकों के विस्तार, बाजार में पहुंच बढ़ाने तथा देशभर में परिचालन को मजबूत करने में करेगी।

आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी साजिद रजा ने कहा कि यह सफलता संस्थान के मजबूत स्टार्टअप इकोसिस्टम और प्रभावी इनक्यूबेशन मॉडल का परिणाम है। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन नवाचार आधारित स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, बिजनेस डेवलपमेंट, निवेशकों से संपर्क और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में निरंतर सहयोग प्रदान कर रहा है। स्टार्टअप के संस्थापक रजत जौहरी ने आईपीईसी-टीबीआई फाउंडेशन और रियल टाइम एंजेल फंड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निवेश कंपनी की विकास यात्रा को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप का लक्ष्य उद्योग और शिक्षण संस्थानों के बीच कौशल अंतर को कम करते हुए विद्यार्थियों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप रियल-टाइम प्रैक्टिकल लर्निंग उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. डी.के. शर्मा, साजिद रजा एवं सपना शर्मा ने स्टार्टअप टीम को बधाई दी।

पशुपालकों के लिए राहत की खबर: पशुधन की बेहतर सेहत को लेकर विभाग ने कसी कमर

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। जिले में पशुधन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और पशुपालकों को सुविधाएं देने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस.पी. पाण्डेय ने बताया कि सरकारी पशु चिकित्सालयों में पशुओं के उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान, रोग नियंत्रण सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान संचालित किए जा रहे हैं।

साथ ही पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों और पशुधन के बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।

सीवीओ ने बताया कि एसपीसीए के माध्यम से बेसहारा, घायल और बीमार पशुओं के संरक्षण, उपचार एवं देखभाल की व्यवस्था को और मजबूत किया जा रहा है। विभाग की प्राथमिकता ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाओं का विस्तार, आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता तथा प्रत्येक पशुपालक तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने पशुपालकों से नियमित टीकाकरण कराने, समय पर उपचार लेने और विभागीय योजनाओं का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि पशुधन की सुरक्षा और पशु कल्याण विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना में 477 ईडब्ल्यूएस फ्लैटों का आवंटन, लॉटरी में नाम आते ही झूम उठे लाभार्थी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बुधवार को प्रताप विहार योजना के 477 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आवासों के आवंटन के लिए पारदर्शी लॉटरी ड्रॉ का आयोजन किया। इसके साथ ही 47 आवेदकों की प्रतीक्षा सूची (वेटिंग लिस्ट) के लिए भी लॉटरी निकाली गई।

हिंदी भवन, लोहिया नगर में आयोजित कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (नगर), जीडीए के अपर सचिव, वित्त नियंत्रक, विशेष कार्याधिकारी तथा डूडा के परियोजना अधिकारी की मौजूदगी में पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई गई।

बड़ी संख्या में आवेदक और उनके परिजन कार्यक्रम में मौजूद रहे। लॉटरी के दौरान जैसे-जैसे चयनित लाभार्थियों के नाम घोषित होते गए, सभागार में खुशी का माहौल बन गया।

जिन परिवारों का नाम आवंटन सूची में आया, उन्होंने इसे अपने जीवन का यादगार पल बताते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रति आभार व्यक्त किया।

लाभार्थियों ने कहा कि इस योजना ने अपने घर का सपना पूरा करने का अवसर दिया है। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकरण आर्थिक रूप से कमजोर और निम्न आय वर्ग के पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित एवं किफायती आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। भविष्य में भी सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

2027 के विजय संकल्प का गाजियाबाद से हुआ भव्य शंखनाद

नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)।

गाजियाबाद, 1 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री नवाब सिंह नागर के प्रथम गाजियाबाद आगमन पर महानगर भाजपा द्वारा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में एनएच-24 स्थित इनमैनटेक कॉलेज के सामने ऐसा ऐतिहासिक स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जिसने केवल एक स्वागत कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के विजय संकल्प का शंखनाद कर दिया।

हजारों की संख्या में उमड़े कार्यकताओं, पदाधिकारियों एवं समर्थकों ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि गाजियाबाद भाजपा पूरी एकजुटता और ऊर्जा के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में पुनः प्रचंड विजय का संकल्प लेकर मैदान में उतर चुकी है। कार्यक्रम स्थल 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'जय श्री राम' के उद्घोषों से देर तक गूंजता रहा। जनसैलाब ने यह साबित कर दिया कि भाजपा का संगठन आज भी जनता के बीच सबसे अधिक मजबूत, सक्रिय और ऊर्जावान है। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और चर्चित दृश्य वह रहा, जब उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के सुशासन, कानून व्यवस्था और अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के प्रतीक बन चुके जेसीबी पर सवार होकर कार्यकताओं ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री नवाब सिंह नागर पर पुष्पवर्षा की। पुष्पों की वर्षा के बीच गूंजते नारों ने पूरे वातावरण को उत्साह, विश्वास और विजय के संकल्प से भर दिया। यह दृश्य उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति के लिए अविस्मरणीय बन गया। भव्य स्वागत समारोह ने यह भी सिद्ध कर दिया कि भाजपा केवल चुनाव के समय सक्रिय होने वाला संगठन नहीं, बल्कि प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना से संचालित एक सशक्त परिवार है। कार्यक्रम में उमड़ा अभूतपूर्व जनसमर्थन इस बात का प्रमाण था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की नीतियों पर जनता का विश्वास लगातार और अधिक मजबूत हो रहा है। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर के नेतृत्व में पश्चिम उत्तर प्रदेश में संगठन को नई गति, नई ऊर्जा और नई दिशा मिलेगी। प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेगा और वर्ष 2027 में ऐतिहासिक विजय सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ जनता के बीच जाएगा। गाजियाबाद का यह ऐतिहासिक स्वागत समारोह केवल एक अभिनंदन कार्यक्रम नहीं था, बल्कि 2027 के विजय अभियान का उद्घोष था। हजारों कार्यकताओं की अभूतपूर्व उपस्थिति, संगठन की एकजुटता और जोश ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया कि भाजपा पूरी ताकत, पूरे आत्मविश्वास और जनसमर्थन के साथ आगामी विधानसभा चुनाव के रण में उतरने के लिए तैयार है।

राजनीतिक दलों की मौजूदगी में डीएम ने परखी ईवीएम वेयरहाउस की सुरक्षा, दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ ने भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, साफ-सफाई और रखरखाव का बारीकी से निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन का पूरी गंभीरता से पालन किया जाए और वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाएं हर समय दुरुस्त रखी जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश देते हुए कहा कि ईवीएम वेयरहाउस की नियमित निगरानी और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनी रहे। निरीक्षण के दौरान एडीएम (एफ/आर), एडीएम (एल/ए) सहित भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी तथा अन्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम: वन महोत्सव का आगाज, विजयनगर में एक लाख पौधों के रोपण की शुरूआत

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम ने बुधवार को 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वन महोत्सव का शुभारंभ किया। विजयनगर स्थित आर्मी लैंड में महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पौधे लगाकर हरित शहर का संकल्प लिया।

नगर निगम के अनुसार 1 से 7 जुलाई तक चलने वाले वन महोत्सव के दौरान शहर के सभी 100 वार्डों में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा। शासन द्वारा निर्धारित 1.08 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं।

महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि विजयनगर की आर्मी लैंड की 48 एकड़ भूमि पर छह लाख से अधिक पौधे लगाने की योजना है। पहले चरण में नौ एकड़ क्षेत्र में एक लाख से अधिक पौधों का रोपण शुरू किया गया है। उन्होंने नागरिकों से भी अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करने की अपील की।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि नगर निगम अब तक शहर के 17 स्थानों पर मियावकी पद्धति से 3.88 लाख से अधिक पौधों को विकसित कर चुका है। मोहन नगर, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, सिद्धार्थ विहार, विजय नगर, रईसपुर, लोहा मंडी, महर्षि दयानंद पार्क और कनावनी ब्रिज सहित कई क्षेत्रों में विकसित हरित क्षेत्र वायु गुणवत्ता सुधारने में सहायक बने हैं।

उन्होंने अधिकारियों को पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण और नियमित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी उद्यान डॉ. अनुज ने बताया कि अभियान के दौरान नगर निगम की खाली भूमि, आर्मी लैंड, सेंट्रल वर्ज और विभिन्न पार्कों में फलदार व छायादार पौधे लगाए जाएंगे। कार्यक्रम में पौधों की देखभाल में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मालियों को सम्मानित भी किया गया।

मोबाइल टावर चोर गिरोह का पर्दाफाश, एक करोड़ का इलेक्ट्रॉनिक सामान और बीएमडब्ल्यू कार बरामद

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद पुलिस ने अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए मोबाइल टावरों से महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। स्वाट टीम, अपराध शाखा और ट्रोनिका सिटी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में तीन शातिर आरोपियों को मोबाइल टावर से रिमोट रेडियो यूनिट (RRU) चोरी करते समय रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर विभिन्न राज्यों के मोबाइल टावरों से चोरी की गई रिमोट रेडियो यूनिट (RRU), बेसबैंड यूनिट (BBU) सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक बीएमडब्ल्यू कार भी जब्त की गई है।

गिरफ्तार गिरोह गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में मोबाइल टावरों को निशाना बनाकर महंगे उपकरण चोरी करता था और उनकी खरीद-फरोख्त करता था।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बेसबैंड यूनिट (BBU) मोबाइल टावर का प्रमुख हिस्सा होता है, जो सिग्नल प्रोसेसिंग का कार्य करता है। इसकी कीमत 5 से 10 लाख रुपये तक होती है। वहीं रिमोट रेडियो यूनिट (RRU) एंटीना और बीबीयू के बीच लिंक स्थापित करती है, जिसकी कीमत लगभग 1.5 से 2 लाख रुपये प्रति यूनिट होती है। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के नेटवर्क से जुड़े लोगों की तलाश में जुटी है।

कार के डैशबोर्ड में फन फैलाए बैठा था कोबरा, ट्रैफिक पुलिस की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

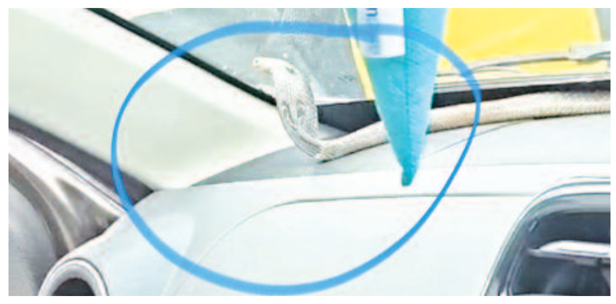

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिल्ली जाने वाली एलिवेटेड रोड पर कानावनी के पास बुधवार को एक महिला चालक की कार के डैशबोर्ड में कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। डैशबोर्ड में फन फैलाए बैठे कोबरा को देखकर महिला चालक ने तुरंत कार रोककर बाहर निकल गई और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर वीवीआईपी ड्यूटी में तैनात ट्रैफिक पुलिस के हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए खाली पानी की बड़ी बोतल की मदद से कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद सांप को वन विभाग के अधिकारियों के सुपुर्द कर दिया गया।

राजनगर स्थित श्रीराम हाइट्स सोसाइटी निवासी मीनाक्षी शर्मा अपनी कार से नोएडा स्थित कार्यालय जा रही थीं। कानावनी एलिवेटेड रोड पर अचानक डैशबोर्ड में कोबरा दिखाई देने से वह घबरा गईं, लेकिन ट्रैफिक पुलिस की तत्परता से संभावित बड़ा हादसा टल गया।

महिला चालक ने सुरक्षित बचाए जाने पर ट्रैफिक पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस की इस बहादुरी और त्वरित कार्रवाई की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

आरटीई दाखिलों पर बवाल: 40% बच्चों का प्रवेश लंबित, अभिभावकों ने सरकार को दिया पांच दिन का अल्टीमेटम

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राइट टू एजुकेशन (आरटीई) अधिनियम के तहत चयनित बच्चों के निजी स्कूलों में दाखिले में हो रही देरी को लेकर गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन (जीपीए) ने कड़ा विरोध जताया है। संगठन ने आरोप लगाया कि सत्र 2026-27 में आरटीई के तहत चयनित 6086 बच्चों में से करीब 40 प्रतिशत बच्चों का अब तक दाखिला नहीं हो सका है, जिससे गरीब और वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा के अधिकार से वंचित हैं।

बुधवार को जीपीए के पदाधिकारियों और अभिभावकों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) से मुलाकात कर लंबित दाखिलों का मुद्दा उठाया। बीएसए ने पांच दिन के भीतर सभी लंबित दाखिले सुनिश्चित कराने का आश्वासन दिया है।

जीपीए सचिव अनिल सिंह ने कहा कि एक ओर सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'पढ़ेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया' जैसे अभियान चला रही है, वहीं दूसरी ओर आरटीई के तहत चयनित बच्चों को समय पर दाखिला नहीं मिल पा रहा है। संगठन ने मुख्यमंत्री से आरटीई अधिनियम का सख्ती से पालन कराने और नियमों की अनदेखी करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

जीपीए ने चेतावनी दी कि यदि पांच दिन के भीतर सभी बच्चों का दाखिला सुनिश्चित नहीं हुआ तो अभिभावक बसों से लखनऊ कूच कर मुख्यमंत्री से न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि इस स्थिति की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

जनता दर्शन में डीएम सख्त: आरटीई दाखिलों में लापरवाही नहीं, अवैध कब्जों पर चलेगा अभियान

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने विभिन्न विभागों से जुड़ी जनसमस्याएं सुनीं और अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने भूमि विवादों के मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजकर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध कब्जों और भूमाफियाओं के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने को कहा।

उन्होंने दिव्यांगजनों का चिन्हीकरण कर उन्हें पेंशन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, ई-व्हीकल सहित सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, विरासत के आधार पर शस्त्र लाइसेंस आवेदनों का प्राथमिकता से निस्तारण करने तथा पीएम सूर्य घर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए।

जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि आरटीई के तहत दाखिलों में किसी भी प्रकार की कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र आवेदनकर्ता को शत-प्रतिशत लाभ दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है और कोई भी पात्र छात्र योजना से वंचित नहीं रहना चाहिए। जनता दर्शन के दौरान एडीएम (ई) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।